■ आषाढ़ कृष्ण - 14 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 324 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 24-06-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 बिहार की जनता राज्य में जंगल राज वापस नहीं आने देगी : गिरिराज सिंह

6 आपातकाल : जब संविधान और लोकतंत्र के बदल गए मायने

7 'आंखों की गुस्ताखियां' के टाइटल ट्रैक में शनाया कपूर ने चुराया सबका दिल!

फर्स्ट टेक

एयर इंडिया विमान को आपात स्थिति में उतारा गया

नई दिल्ली/भाषा। एयर इंडिया के विमानों में तकनीकी खराबी की घटनाएँ कम नहीं हो रहीं हैं और सोमवार को दिल्ली से जम्मू जाने वाले एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में तकनीकी समस्या आने के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद वापस उतारना पड़ा। एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि सोमवार 23 जून को दिल्ली से जम्मू के लिए संचालित होने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आईएक्स 2564 को उड़ान भरने के बाद वापस दिल्ली उतारना पड़ा। उन्होंने कहा कि तकनीकी समस्या के कारण मूल विमान के दिल्ली लौटने के बाद हमारी दिल्ली-जम्मू उड़ान को संचालित करने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई।

पाकिस्तानी एयरलाइन के लिए भारतीय हवाई क्षेत्र 24 जुलाई तक बंद

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने सोमवार को पाकिस्तानी विमानन कंपनियों द्वारा संचालित उड़ानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद रखने की अवधि एक महीने के लिए बढ़ाकर 24 जुलाई तक कर दी है। भारतीय हवाई क्षेत्र 30 अप्रैल से पाकिस्तानी विमानन कंपनियों और ऑपरेटर द्वारा संचालित, या उनके स्वामित्व वाले या उनके द्वारा पट्टे पर लिए गए विमानों, जिनमें सैन्य उड़ानें भी शामिल हैं, के लिए बंद है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद पाकिस्तान के खिलाफ सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न उपायों के तहत यह प्रतिबंध लगाया गया था। शुरू में प्रतिबंध 24 मई को समाप्त होना था, लेकिन इसे 24 जून तक बढ़ा दिया गया था। सोमवार को एक नया एनओटीएएम (नोटिस टू एयरमैन) जारी किया गया, जिसमें पाबंदी को एक महीने और बढ़ाकर 24 जुलाई, 2025 तक कर दिया गया।

त्रिपुरा देश का तीसरा पूर्ण साक्षर राज्य बना

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा सोमवार को देश का पूर्ण साक्षर राज्य बन गया। इसके साथ ही वह मिजोरम तथा गोवा के बाद ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाला देश का तीसरा राज्य हो गया। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने यहां रवींद्र भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री माणिक साहा की मौजूदगी में यह घोषणा की। इस अवसर पर अपने संबोधन में साहा ने इस उपलब्धि को त्रिपुरा के लिए एक एतिहासिक और गौरवपूर्ण पल करार दिया। उन्होंने कहा, ''मिजोरम और गोवा के बाद त्रिपुरा अब भारत का तीसरा पूर्ण साक्षर राज्य बन गया है। मैं हर उस व्यक्ति को बधाई देता हूं जिसने इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए अपना योगदान दिया।''

24-06-2025 सूर्यास्त 6:38 बजे | 25-06-2025 सूर्योदय 5:44 बजे

BSE 81,896.79 (-511.38) | NSE 24,971.90 (-140.50)

सोना 10,441 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 120,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ट्रम्प गल

जिसको है बल का अहंकार,
उसके सपनों में भी नोबल।
कर रहा सभी की शांति भंग,
वो विश्व शांति का ढूंढे हल।
जिसकी मति अस्थिर रहती है,
कैसे देगा सबको सम्बल।
जो चले ट्रम्प हरदम उल्टी,
कर रहा झूठ की सीधी गल।।

भाषाई आधार पर भारत को बांटना चाहती हैं बुरी ताकतें : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को आगाह किया कि भारत के विकास के लिए सावधानी से कदम उठाने की जरूरत होगी क्योंकि कुछ ताकतें मुश्किल खड़ी करने पर अमादा हैं और देश को भाषा सहित विभिन्न मुद्दों पर विभाजित करना चाहती हैं। उन्होंने राजनीतिक दलों के बीच अधिक संवाद की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा कि राजनीतिक तापमान को कम करने की आवश्यकता है।

उपराष्ट्रपति ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता राम माधव की पुस्तक 'द न्यू वर्ल्ड 21 सेंचुरी ग्लोबल ऑर्डर एंड इंडिया' के विमोचन के अवसर पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय बलों ने नागरिकों को नहीं छुआ और केवल आतंकवादी ढांचे पर हमला किया।

धनखड़ ने भारत के खिलाफ काम कर रही शक्तियों का जिक्र करते हुए कहा, ''भारत के उत्थान के लिए सावधानीपूर्वक कदम उठाने की आवश्यकता होगी, क्योंकि ऐसी ताकतें हैं जो हमारे लिए मुश्किल खड़ी करने पर तुली हुई हैं। देश के भीतर और बाहर ऐसी ताकतें हैं। ये बुरी ताकतें हमें भाषा जैसे मुद्दों पर भी बांटकर हमला करना चाहती हैं।'' उन्होंने कहा कि दुनिया का कोई भी देश भारत जैसी भाषाई समृद्धि का दावा नहीं कर सकता। धनखड़ ने कहा कि उनका दृढ़ विश्वास है कि भारत के अंदर कोई दुश्मन नहीं है, बल्कि बाहर दुश्मन हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत के अंदर दुश्मनों की संख्या कम है, जो भारत के हितों के खिलाफ काम करने वाली बाहरी ताकतों से जुड़े हैं।

इस कार्यक्रम में पूर्व विदेश सचिव श्याम सरन, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु और मनीष तिवारी भी मौजूद रहे।

पांच सौ करोड़ से अधिक की जीएसटी चोरी, सात गिरफ्तार

जोधपुर/भाषा। कई राज्यों में फैले 500 करोड़ रुपए से अधिक के जीएसटी कर चोरी घोटाले में शामिल होने के आरोप में राजस्थान के जोधपुर में पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) राजर्षि राज वर्मा ने कहा कि जोधपुर के मसूरिया इलाके में एक ई-मित्र और कंप्यूटर सेंटर में तैयार किए जा रहे फर्जी आधार कार्ड और दस्तावेजों की जांच से घोटाले का पता चला। वर्मा ने कहा, ''आरोपी फर्जी दस्तावेज तैयार कर रहे थे, जिनका इस्तेमाल फर्जी जीएसटी पंजीकरण और कर चोरी के लिए किया जा रहा था। इन दस्तावेजों का इस्तेमाल अन्य अवैध गतिविधियों में भी किया जा रहा था।'' जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि गिरोह ने कई राज्यों में 240 फर्जी फर्म बनाई थीं। गिरोह अपने पास नकली स्टाम्प रखता था, जिसका इस्तेमाल जाली पैन कार्ड बनाने के लिए किया जाता था। इनका इस्तेमाल करके वे बैंक खाते खोलते थे और जीएसटी-पंजीकृत फर्मों में लेनदेन दिखाते थे।

नीट नैतिकता के खिलाफ है : मुख्यमंत्री स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सोमवार को दावा किया कि मेडिकल पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए जरूरी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) आयोजित करने की प्रणाली नैतिकता के खिलाफ'' है और यह हर स्तर पर अनियमितताओं से भरी हुई है। स्टालिन ने नीट को लेकर केंद्र के खिलाफ कुछ भी न बोलने को लेकर विपक्षी 'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) को भी आड़े हाथों लिया।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए महाराष्ट्र के एक चिकित्सक और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के अधिकारियों के खिलाफ कथित तौर पर नीट-यूजी 2025 के अंकों में हेरफेर करने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज किए गए कथित मामले से जुड़ी खबरों का हवाला दिया। उन्होंने कहा, ''एक और मामला है जो साबित करता है कि नीट योग्यता पर आधारित नहीं है। इसलिए हम जोर देकर और स्पष्ट तौर पर तौर पर कह रहे हैं, 'नीट' बिल्कुल भी 'नीट' (पारदर्शी) नहीं है। हमारे पास ऐसा कहने के लिए कई कारण हैं।'

स्टालिन ने कहा कि केंद्र दावा करता है कि यह परीक्षा बिल्कुल पारदर्शी है लेकिन नीट शुरू से अंत तक धन का खेल है। उन्होंने कहा, नीट आयोजित करने की प्रणाली अपने आप में ही नैतिकता के खिलाफ है। प्रश्नपत्र से लेकर परीक्षा केंद्र तक, परिणाम जारी करने तक, हर स्तर पर अनियमितताएं हैं।' उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक सदस्यों के पास राष्ट्रीय स्वयंसेवक (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सम्मेलनों में ''मूकदर्शक'' बनने का समय है लेकिन अपने ''आकाओं'' के सामने इस परीक्षा के खिलाफ बोलने के लिए समय नहीं है।

विपक्ष को महत्व नहीं देते प्रधानमंत्री, इस रवैये को बर्दाश्त नहीं करेंगे: खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायचूर (कर्नाटक)/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सर्वदलीय बैठकों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शामिल नहीं होने को लेकर सोमवार को उन पर विपक्ष को महत्व नहीं देने का आरोप लगाया और कहा कि यदि प्रधानमंत्री विपक्ष को कमजोर करने की कोशिश करते हैं, तो जनता इसे सहन नहीं करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि भारत सरकार को ईरान और इजरायल संघर्ष रुकवाने का प्रयास करना चाहिए था।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश कठिन दौर से गुजर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां पूरे देश और सशस्त्र बलों ने देश की रक्षा के लिए एकजुट होकर काम किया, वहीं कुछ लोगों ने व्यक्तिगत श्रेय लेने की कोशिश की।

खरगे ने सीधे तौर पर किसी का नाम लिए बिना कहा, ''अगर उन्होंने कैप्टन, कर्नल या लेफ्टिनेंट कर्नल के रूप में सेना में काम किया होता, तो हमने अच्छा काम करने और देश की खातिर लड़ने के लिए उनकी सराहना की होती। लेकिन ऐसा नहीं है।'' खरगे मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, कांग्रेस के मंत्रियों और विधायकों के साथ रायचूर में थे, जहां उन्होंने कई परियोजनाओं की आधारशिला रखी और रायचूर विश्वविद्यालय के नामकरण समारोह की अध्यक्षता की।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि कांग्रेस पहलगाम आतंकी हमले पर सर्वदलीय बैठक की मांग करने वाली पहली पार्टी थी। उन्होंने कहा, ''बैठकें दो बार बुलाई गईं, लेकिन प्रधानमंत्री दोनों अवसरों पर भाग लेने में विफल रहे। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि वह उसमें शामिल क्यों नहीं हुए।'' उन्होंने कहा कि कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक के नेताओं ने बैठक में शामिल होने के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रम छोड़ दिए, फिर भी प्रधानमंत्री ने देश में होने के बावजूद इसमें शामिल नहीं होने का फैसला किया।

वंदे भारत एक्सप्रेस मारपीट विवाद, भाजपा विधायक को नोटिस जारी

लखनऊ/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई ने नई दिल्ली-भोपाल वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्रियों के बीच हुए विवाद के सिलसिले में झांसी जिले के बबीना से भाजपा विधायक राजीव सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। बाईस जून को जारी नोटिस में प्रदेश भाजपा महासचिव गोविंद नारायण शुक्ला ने कहा, ''सोशल मीडिया और मीडिया से ट्रेन में आपके व्यवहार के बारे में जानकारी मिली है। आपके व्यवहार से पार्टी की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, जो अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है।'' शुक्ला ने कहा, ''प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशानुसार आपको कारण बताओ नोटिस जारी किया जा रहा है। आप सात दिन के भीतर भाजपा प्रदेश कार्यालय में अपना स्पष्टीकरण दे सकते हैं।

आतंकवादियों के मन में डर पैदा करने में सफल रहा 'ऑपरेशन सिंदूर' : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' ने सभी उद्देश्य हासिल कर लिए और आतंकवादियों के मन में डर पैदा करने में सफल रहा। वह राष्ट्रपति भवन परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। सिंह ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यकाल के दूसरे साल में उनके द्वारा दिए गए 51 भाषणों का एक संग्रह जारी किया।

सिंह ने अपने संबोधन में पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में मई में भारत द्वारा शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने सभी लक्ष्य हासिल कर लिए।

रक्षा मंत्री ने कहा कि यह आतंकवादियों के मन में डर पैदा करने में भी सफल रहा।

ईरान ने कतर में अमेरिकी वायु सेना अड्डे पर हमला किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

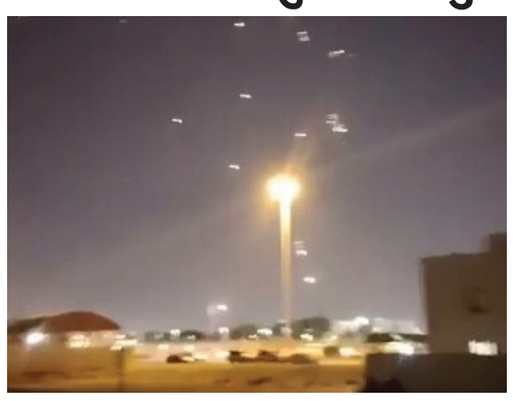

दुबई/एपी। ईरान ने सोमवार रात कहा कि उसने कतर के अल उदीद वायु सेना अड्डे पर तैनात अमेरिकी सैनिकों पर हमला किया है। यह घोषणा सरकारी टेलीविजन पर की गई। स्क्रीन पर एक कैप्शन में इसे ''अमेरिका की आक्रामकता के लिए ईरान के सशस्त्र बलों द्वारा करारा जवाब'' कहा गया।

ईरान ने कहा कि अल उदीद अड्डे पर उसके द्वारा किया गया मिसाइल हमला ईरानी परमाणु स्थलों पर अमेरिका द्वारा गिराए गए बमों की संख्या के बराबर है। यह हमला ईरान से खतरे के मद्देनजर कतर द्वारा एहतियात के तौर पर अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने के तुरंत बाद हुआ।

इराक के एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि ईरान ने पश्चिमी इराक में अमेरिकी सैनिकों के लिए ऐन अल-असद बेस को भी निशाना बनाया।

अमेरिकी सेना द्वारा ईरानी परमाणु प्रतिष्ठानों पर बमबारी के जवाब में ईरान ने मिसाइल दागे हैं। कतर ने बयान जारी कर वायु सेना अड्डे पर ईरानी हमले की निंदा करते हुए कहा कि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ।

पहलगाम हमले में संलिप्त आतंकवादियों की पहचान के बारे में ठोस सबूत जुटाए : एनआईए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने सोमवार को कहा कि उसने पहलगाम आतंकवादी हमले में संलिप्त आतंकवादियों की पहचान के बारे में ठोस सबूत जुटाए हैं। संघीय एजेंसी ने यह भी कहा कि उचित समय पर विवरण को सार्वजनिक किया जाएगा। आतंकवाद रोधी एजेंसी जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की जांच कर रही है जिसमें 26 लोग मारे गए थे।

एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एनआईए ने रविवार को दो स्थानीय लोगों- परवेज अहमद जोथर और बशीर अहमद जोथर को हमले में संलिप्त तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों को पनाह देने के आरोप में गिरफ्तार किया था। एनआईए ने एक बयान में कहा कि तीनों पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े हैं।

एनआईए ने एक बयान में कहा कि गिरफ्तार किए गए दोनों लोगों को सोमवार को जम्मू की एक अदालत में पेश किया गया और उन्हें पांच दिन की हिरासत में भेज दिया गया है।

बयान में कहा गया, ''एनआईए ने आतंकवादियों की पहचान के बारे में ठोस सबूत जुटाए हैं। इसमें पीड़ितों के बयान, वीडियो फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा जारी किए गए स्केच शामिल हैं। इन सभी सबूतों का सावधानीपूर्वक विश्लेषण किया जा रहा है। एनआईए इस स्तर पर किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है।''

इसमें कहा गया है कि आतंकवादियों की पहचान और अन्य विवरण उचित समय पर सार्वजनिक किए जाएंगे। एनआईए ने कहा कि अपराधियों की पहचान से संबंधित कुछ मीडिया कवरेज अटकलें और भ्रामक हैं।

भारत ने सिंधु जल संधि के तहत

पानी देने से इनकार किया तो पाकिस्तान युद्ध करेगा : बिलावल भुट्टो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी ने सोमवार को कहा कि यदि भारत सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के तहत इस्लामाबाद को पानी का उचित हिस्सा देने से इनकार करता है, तो उनका देश युद्ध की ओर बढ़ेगा।

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के तुरंत बाद भारत ने 1960 के समझौते को स्थगित कर दिया था। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले हफ्ते इस ऐतिहासिक समझौते को कभी बहाल न करने की घोषणा की थी।

शाह द्वारा अंतरराष्ट्रीय समझौतों की खुलेआम अवहेलना की पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय द्वारा आलोचना किए जाने के दो दिन बाद बिलावल की टिप्पणी सामने आई।

बिलावल ने संसद में दिए भाषण में समझौते को निलंबित करने के भारत के फैसले को खारिज कर दिया और पाकिस्तान के हिस्से का पानी लेने की धमकी दी। उन्होंने सिंधु घाटी की छह नदियों का जिक्र करते हुए कहा, भारत के पास दो विकल्प हैं: या तो वह पानी को समान रूप से साझा करे, या फिर हम सभी छह नदियों से पानी अपने यहां पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि अब भी लागू है, इसलिए समझौते को स्थगित नहीं रखा जा सकता। उन्होंने कहा, सिंधु (नदी) पर हमला और भारत का दावा है कि सिंधु जल संधि समाप्त हो गई है और इसे स्थगित कर दिया गया है। सबसे पहले, यह अवैध है, क्योंकि सिंधु जल संधि स्थगित नहीं है, यह पाकिस्तान और भारत पर बाध्यकारी है, लेकिन पानी रोकने की धमकी देना ही संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार अवैध है।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख बिलावल ने यह चेतावनी भी दी कि यदि भारत ने धमकी पर अमल करने का फैसला किया तो हमें फिर से युद्ध छेड़ना पड़ेगा।

ईरान में सत्ता परिवर्तन का विचार कर रहे हैं ट्रंप

तेल अवीव/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के परमाणु केंद्रों पर हमले के बाद अब तेहरान में ''सत्ता परिवर्तन'' की संभावना के बारे में भी विचार कर रहे हैं। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर तेहरान अमेरिकी बलों के खिलाफ कार्रवाई करता है तो उस पर और हमले किए जाएंगे। ट्रंप ने ईरान में ''सत्ता परिवर्तन'' की संभावना के बारे में भी विचार किया है जबकि उनके प्रशासन के अधिकारियों ने पहले संकेत दिया था कि वे ईरान के साथ वार्ता फिर से शुरू करना चाहते हैं। वहीं, इजराइल की सेना ने सोमवार को कहा कि वह ईरान के पश्चिमी शहर केरमानशाह के आसपास हमले कर रही है। इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध में अब अमेरिका भी कूद पड़ा है।

चीनी विदेश मंत्री के साथ बैठक में

एनएसए डोभाल ने आतंकवाद का मुकाबला करने का आह्वान किया

नई दिल्ली/भाषा। सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों को पाकिस्तान के समर्थन का परोक्ष उल्लेख करते हुए, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने सोमवार को बीजिंग में चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ बैठक के दौरान क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए सभी प्रकार के आतंकवाद का मुकाबला करने की आवश्यकता पर बल दिया।

डोभाल ने आतंकवाद का मुकाबला करने पर ऐसे वक्त जोर दिया है जब लगभग डेढ़ महीने पहले भारत ने 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान में कई आतंकवादी बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया था। डोभाल शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा पर हैं। डोभाल और वांग ने भारत-चीन संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर भी विचार-विमर्श किया। दोनों पक्ष पूर्वी लद्दाख सीमा गतिरोध के बाद संबंधों में आए तनाव को दूर करने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों देशों ने भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों में हाल के घटनाक्रम की समीक्षा की और लोगों के बीच अधिक से अधिक संपर्क बढ़ाने सहित द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास को बढ़ावा देने की आवश्यकता को रेखांकित किया। बयान में कहा गया, ''एनएसए ने क्षेत्र में समग्र शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए सभी प्रकार के आतंकवाद का मुकाबला करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।'' इस टिप्पणी को चीन को एक अप्रत्यक्ष संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है कि वह अपने सदाबहार मित्र पाकिस्तान पर अपनी धरती से गतिविधियां चला रहे आतंकवादी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई के लिए दबाव डाले।

चार हजार करोड़ की 120 एकड़ अतिक्रमण भूमि मुक्त कराई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने सोमवार को यहां कडुगोडी बागान में करीब 4000 करोड़ रुपये मूल्य की 120 एकड़ वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, राज्य के वन, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी मंत्री ईश्वर खांडरे के निर्देश पर अतिक्रमण के खिलाफ अभियान शुरू किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि बेंगलूरु पूर्व तालुक के बिदराहल्ली होबाली स्थित कडुगोडी बागान वन भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच, बेंगलूरु शहरी वन विभाग के अधिकारियों के नेतृत्व में एक टीम सुबह जेसीबी के साथ मौके पर पहुंची और कार्रवाई शुरू की।

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान भूमि का सीमांकन किया गया, बाड़ लगाई गई तथा पारिस्थितिकी तंत्र को पुन: स्थापित करने के लिए देसी प्रजातियों के पौधे लगाने का कार्य शुरू किया गया। अधिकारियों ने बताया कि अतिक्रमण मुक्त कराई गई वन भूमि की अनुमानित बाजार कीमत करीब 4,000 करोड़ रुपये है।

उडुप्पी में मवेशी चोरी और मांस परिवहन के दो मामलों में दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। मंगलूरु से लगभग सौ किलोमीटर दूर उडुप्पी पुलिस ने मवेशी चोरी और अवैध रूप से मांस का परिवहन करने के दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यहां बताया कि कारकल पुलिस ने एक स्थानीय पशु देखभाल केंद्र से मवेशी चोरी के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मूडबिद्री निवासी सलीम (38) के रूप में हुई है।आरोप है कि उसने 16 जून को तड़के कारकल तालुक के बाजागोली स्थित अहिंसा एनिमल केयर ट्रस्ट से तीन गायें चुराई थीं। चोरी किए गए मवेशियों की कीमत लगभग 10,000 रूपये बताई जा रही है। इन पशुओं को एक वाहन में लादकर ले जाया गया था। शिकायत के बाद पुलिस ने कारकल ग्रामीण पुलिस थाने में मामला दर्ज किया और चोरी में इस्तेमाल किए गए वाहन को जब्त कर लिया।

उडुप्पी के पुलिस अधीक्षक हरिराम शंकर के अनुसार इस मामले में दो और संदिग्धों की पहचान कर ली गई है और उन्हें भी शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जायेगा। एक अन्य घटना में शनिवार को अब्दुल रहीम (35) को बिना उचित दस्तावेजों के 25 किलोग्राम मांस का परिवहन करते हुए हिरासत में लिया गया। इस मांस की कीमत लगभग 7,500 रूपये है। यह घटना मुल्किकट्टे-गंगोली सड़क पर होसाडू गांव में गुहेश्वर मंदिर चौराहे के पास हुई। आरोपी स्कूटर पर था तभी पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर उसके वाहन और मांस को जब्त कर लिया। जांच में पता चला है कि रहीम संभवत: 18 जून को केईबी कार्यालय के पास मवेशी चोरी के एक असफल मामले में भी शामिल है।

इस संबंध में गंगोली पुलिस थाने में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है।

मुलाकात

बेंगलूरु में सोमवार को राजभवन में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के राज्यपाल फ्रांसिस एडमसन ए.सी. ने सौहार्दपूर्ण मुलाकात की।

जीईएस इंडिया द्वारा शीर्ष शैक्षणिक उपलब्धि हासिल करने वालों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ऑप्टिक्स और ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक्स में वैश्विक अग्रणी जीईएस इंडिया ने अपनी प्रभावशाली पॉवर ऑन पहल के माध्यम से बेंगलूरु में 40 मेधावी छात्रों की शैक्षणिक सफलता का जश्न मनाया। इस अनूठे कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, हाल ही में बोर्ड परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त करने वालों को लैपटॉप वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य युवा प्रतिभाओं को पोषित करने और शिक्षा के माध्यम से तकनीकी रूप से सशक्त भविष्य को बढ़ावा देने के लिए जीईस इंडिया के समर्पण को रेखांकित करना था। बेंगलूरु से चुनिंदा 40 शैक्षणिक उपलब्धि प्राप्तकर्ताओं का चयन गवर्नमेंट हाई स्कूल हेब्बागोडी, गवर्नमेंट हाई स्कूल चंदापुरा, नाज़रेथ स्कूल चंदापुरा, गवर्नमेंट पीयू कॉलेज फॉर गर्ल्स (राममूर्ति नगर), गवर्नमेंट हाई स्कूल आनेकल ओर सेंट पीटर्स हाई स्कूल केंगेरी से किया गया। सम्मान समारोह के दौरान, जीईस इंडिया के मुख्य वित्तीय अधिकारी धवल राडिया ने समुदाय और नवाचार के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

दिल्ली में विमानों के ईंधन की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, छह लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा

दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए भेजे जा रहे टैंकरों से विमानों के ईंधन (एटीएफ) की चोरी कर उसे खुले बाजार में 'मिनरल टरपेंटाइन ऑयल' (एमटीओ) के रूप में बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करने का सोमवार को दावा किया।

पुलिस ने दावा किया कि इससे हर महीने सरकारी खजाने को 1.62 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा था।

पुलिस ने बताया कि रविवार को मिली एक गुप्त सूचना के बाद इस गिरोह का भंडाफोड़ किया गया। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह तीन साल से अधिक समय से ऐसा कर रहा था। पुलिस ने इस सिलसिले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है और दो अन्य को हिरासत में लिया है।

बताया जाता है कि यह गिरोह प्रतिदिन अनुमानित रूप से 5,000 लीटर ईंधन की चोरी कर सरकारी खजाने को प्रति माह 1.62 करोड़ रुपए से अधिक की चपत लगा रहा था। पुलिस उपायुक्त (अपराध) आदित्य गौतम ने बताया, ''एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) को टैंकर के जरिए बहादुरगढ़ (हरियाणा) में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के आसौदा डिपो से आईजीआई हवाई अड्डे पर आपूर्ति के लिए भेजा गया था। हालांकि, टैंकर चालकों ने ट्रांसपोर्टर और गोदाम मालिक की मिलीभगत से ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) ट्रैकिंग डेटा में हेरफेर किया और टैंकरों को मुंडका में एक गुप्त स्थान पर भेज दिया।'' उन्होंने बताया कि टैंकरों पर लगे सुरक्षा तालों को डुप्लीकेट चाबियों का उपयोग करके खोल दिया गया। उन्होंने बताया कि इसके बाद ईंधन की चोरी कर उसे बैरल में भरा गया और 'मिनरल टरपेंटाइन ऑयल' (एमटीओ) के रूप में बेच दिया गया, जिसका आमतौर पर स्याही और पेंट उद्योग में उपयोग किया जाता है।

अधिकारी ने बताया, ''मौके से तीन तेल टैंकर जब्त किए गए, जिनमें 24,000 लीटर एटीएफ था। साथ ही तेल निकालने वाली पाइप, ड्रम और नकदी भी जब्त की गई।'' अधिकारी ने बताया कि छापेमारी में टैंकरों के अलावा, पुलिस ने चोरी के ईंधन को ले जाने वाले दो पिकअप ट्रक, 1.05 लाख रुपए, छह 'डिप रॉड' (नकली सहित), तेल निकालने वाली नली, नौ खाली ड्रम और तीन डुप्लीकेट मास्टर चाबियां भी बरामद कीं।

अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार लोगों में गोदाम मालिक एवं टैंकर का पूर्व चालक गया प्रसाद यादव (43) शामिल है। उन्होंने बताया कि वह 30 रुपए प्रति लीटर की दर से ईंधन खरीदता था और 50 रुपए प्रति लीटर की दर से बेचता था।

अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए अन्य लोगों में शामिल राजकुमार चौधरी (53) नियमित रूप से एटीएफ खरीदता था और उसे 43 से 50 रुपए प्रति लीटर की दर से बेचता था। अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा अशपाल सिंह भुल्लर (53) को भी गिरफ्तार किया गया है, जो जब्त किए गए तीन टैंकरों सहित आठ ट्रकों का मालिक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पीएमएमएल सोसाइटी की वार्षिक आम बैठक की अध्यक्षता की

नई दिल्ली/भाषा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) सोसाइटी की वार्षिक आम बैठक बैठक की अध्यक्षता की। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने यह बताया। उन्होंने बताया कि सोसाइटी की 47वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) तीन मूर्ति भवन में हुई।

सरकार ने इस वर्ष की शुरुआत में पीएमएमएल सोसाइटी का पुनर्गठन किया था, जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और प्रसिद्ध फिल्म निर्माता शेखर कपूर को भी जगह दी गई है। प्रधानमंत्री इसके अध्यक्ष के रूप में पीएमएमएल के प्रमुख निर्णय लेने वाले निकाय का नेतृत्व करते हैं जबकि रक्षा मंत्री इसके उपाध्यक्ष होते हैं।

सिंह के अलावा बैठक में स्मृति ईरानी, केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, गजेंद्र सिंह शेखावत और अश्विनी वैष्णव भी मौजूद रहे। संस्कृति मंत्रालय के 13 जनवरी के आदेश के अनुसार, प्रधानमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव नृपेन्द्र मिश्रा को संगठन के अध्यक्ष के रूप में पांच वर्ष का एक और कार्यकाल मिला है।

प्रतिष्ठित संस्थान की सोसाइटी में कई नए लोग शामिल हुए हैं, जिनमें स्मृति ईरानी, कपूर, नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार, सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी सैयद अता हसनैन और संस्कार भारती के वासुदेव कामथ शामिल हैं।

पीएमएमएल तीन मूर्ति भवन में स्थित है, जहां पर प्रधानमंत्री संग्रहालय भी अवस्थित है।

एअर इंडिया के पूर्व सीएमडी और रेलवे बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष अश्विनी लोहानी को हाल ही में पीएमएमएल का निदेशक नियुक्त किया गया।

विक्रम मेहर बने तेयुप आरआर नगर के नए अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद, राजराजेश्वरीनगर की अष्टम वार्षिक साधारण सभा रविवार को अध्यक्ष बिकाश छाजेड़ की अध्यक्षता में तेरापंथ भवन में सम्पन्न हुई। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन अभातेयुप के दिनेश मरोठी ने किया। बिकाश छाजेड़ ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग की सराहना की।

मंत्री सुपार्श पटावरी ने मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष गौतम नाहटा ने आय-व्यय का ब्यौरा पेश किया। डायग्नॉस्टिक सेंटर के संयोजक नरेश बांठिया ने एटीडीसी की जानकारी दी। कार्यकर्त्ता सम्मान समारोह में तेयुप के सदस्यों को उनके योगदान के अनुरूप उत्कृष्ट सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया।

दूसरे सत्र में चुनाव अधिकारी मनोज डागा एवं सह चुनाव अधिकारी राजेश भंसाली ने चुनावी प्रक्रिया की जानकारी देते हुए अध्यक्ष पद पर एक ही नामांकन प्राप्त होने पर निर्विरोध रूप से विक्रम मेहर को तेयुप आरआर नगर का नया अध्यक्ष घोषित किया। नवमनोनीत अध्यक्ष विक्रम मेहर ने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि हम सभी का एक ही लक्ष्य होना चाहिए कि संघ का काम हो, संघ का नाम हो और इसके लिए हमें एक जुट होकर काम करना है।

मायुम ने तीन रक्तदान शिविरों के माध्मय से एकत्र किया 165 यूनिट रक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच(मायुमं) के राष्ट्रीय प्रकल्प रक्तदान महोत्सव' पखवाड़े के अंतर्गत मायुमं बेंगलूरु ने रविवार को शहर के डिविनिटी अपार्टमेन्ट, शोभा अरेना अजमेरा व प्रेस्ट्रीज जिन्दल सिटी अपार्टमेन्ट में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

इन तीन शिविरों में कुल 165 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। शाखा के अध्यक्ष गोपाल कुमार, सचिव सनी जैन एवं कोषाध्यक्ष विवेक खंडेलवाल ने इस आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया। संयोजक शुभम लोहिया ने तीनों शिविर प्रबंधक वरुण अग्रवाल, विशाल धानुका, विनोद गर्ग, वैभव खंडेलवाल एवं एकता खंडेलवाल को धन्यवाद दिया। इस मौके पर रक्तदान करने वालें सभी दानदाताओं को प्रमाणपत्र व गिफ्ट व्राउचर भेंट किए गए। कार्यक्रम में अनेक वरिष्ठ सदस्य व पदाधिकारी उपस्थित थे।

'जीतो' यूथ विंग साउथ की 'लाइट्स, कैमरा, रील्स' कार्यशाला में शामिल हुए 42 प्रतिभागी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ यूथ विंग ने जीतो सेंटर फॉर एक्सिलेंस के तहत सात-दिवसीय कार्यशाला 'लाइट्स, कैमरा, रील्स' का आयोजन चामराजपेट कार्यालय में किया। 42 प्रतिभागियों को आठ टीमों में विभाजित कर उन्हें रचनात्मक चुनौतियों के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। यूथ विंग के चेयरमैन मेहुल श्रीश्रीमाल ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। मुख्य सचिव ऋषभ चोपड़ा ने उपस्थित प्रतिभागियों को कार्यशाला की जानकारी दी। संयोजिका रिद्धि मेहता और सहसंयोजिका हर्षा जैन ने वक्ताओं का परिचय दिया। कार्यशाला के प्रशिक्षक विक्रम भंसाली, निधि श्रीश्रीमाल और गौरव गुलेच्छा ने प्रतिभागियों को रील बनाने, बुनियादी फोन वीडियोग्राफी, मूवमेंट, ट्रांज़िशन और कहानी-संचालित शॉट्स आदि की जानकारी दी। समापन के मौके पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए गए।

तेरापंथी सभा राजराजेश्वरीनगर की सप्तम साधारण सभा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजराजेश्वरीनगर के तेरापंथी सभा की सप्तम साधारण सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़ की अध्यक्षता में रविवार को तेरापंथ भवन में सम्पन्न हुई। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन पूर्व अध्यक्ष कमल दुगड़ ने किया। अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभी का स्वागत करते हुए गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की और चातुर्मास संबंधित सभी जानकारियां सहित चौमासे में भवन में चौका सेवा की जानकारी प्रदान की। ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज डागा ने चातुर्मास काल में हर संभव सहयोग हेतु आश्वासन दिया। पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, तेयुप के अध्यक्ष बिकास छाजेड़, महिला मंडल की अध्यक्षा सुमन पटावरी, विकास दुगड़ एवं अन्य सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मंत्री गुलाब बांठिया ने वर्ष भर का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। आय-व्यय का ब्यौरा कोषाध्यक्ष देवेंद्र नाहट द्वारा प्रस्तुत किया गया। आरआर नगर ज्ञानशाला संयोजिका प्रिया छाजेड़ व केंगेरी ज्ञानशाला संयोजिका पूनम दक ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। सीमा जैन ने जैन विद्या की तथा विकास जी दुगड़ ने आगम मंथन प्रतियोगिता की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

इस अवसर पर गत 15 वर्षों से ज्ञानशाला में सेवा देते आ रही संयोजिका प्रिया छाजेड़ को, तेममं की नवमनोनीत अध्यक्षा मंजू बोथरा को, जैन स्कालर बनने के लिए सरोज आर बैद को सम्मानित किया गया। नीतू बाफना को ज्ञानशाला की संयोजिका नियुक्त किया गया। मंत्री गुलाब बाँठिया ने संचालन किया। सहमंत्री राजेश भंसाली ने धन्यवाद दी।

कांग्रेस ने दाहोद लोकोमोटिव परियोजना को लेकर सवाल उठाए, रेल मंत्रालय ने आरोपों को खारिज किया

नई दिल्ली/भाषा

कांग्रेस ने गुजरात के दाहोद लोकोमोटिव विनिर्माण संयंत्र परियोजना से जुड़ी निविदा प्रक्रिया को लेकर सोमवार को सवाल खड़े किए और इस मामले की संसदीय समिति से जांच की मांग की।

दूसरी तरफ, रेल मंत्रालय ने कांग्रेस के आरोप को भ्रामक करार दिया और कहा कि निविदा प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता का पालन किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते 26 मई को गुजरात के दाहोद में लोकोमोटिव विनिर्माण संयंत्र सहित कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया था।

कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह ने संवाददाताओं से कहा, ''बीते 26 मई को प्रधानमंत्री जी ने गुजरात के दाहोद में 9,000 हॉर्सपावर के लोकोमोटिव संयंत्र का उद्घाटन किया था। यह संयंत्र 'सीमेंस' नामक कंपनी के साथ एक अनुबंध के तहत बनाया गया है। यह अनुबंध करीब 26 हजार करोड़ रुपए का है। इसमें करीब 1200 यूनिट लोकोमोटिव इंजन का निर्माण किया जाएगा।''

उनका कहना था, ''दिसंबर, 2022 में भारत सरकार द्वारा एक विज्ञापन के माध्यम से बताया गया था कि सीमेंस के साथ 26,000 करोड़ रुपए का 'लेटर ऑफ अवार्ड' (कार्य स्वीकृति) हुआ। इसका पूरा निर्माण दाहोद में होगा और यह संयंत्र करीब दो साल में बनकर तैयार हो जाएगा।सिंह के अनुसार, अब जो तस्वीर सामने आई है, वह कुछ और बयां कर रही है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि इस परियोजना में पारदर्शिता को लेकर सवाल है और हितों का टकराव दिखाई देता है।

सिंह ने कहा कि राजनीति में आने से पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव 'सीमेंस' में पदाधिकारी रह चुके हैं। क्या यह संयोग है या कुछ और कि सीमेंस को इतना बड़ा ठेका उस वक्त मिलता है जब वैष्णव रेल मंत्री हैं। प्रथम दृष्टया यह हितों के टकराव का मामला दिखता है।'' उन्होंने दावा किया कि जिस 'मेक इन गुजरात' का आश्वासन दिया गया था, वैसा कुछ नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि दाहोद में विनिर्माण के नाम पर सिर्फ असेंबलिंग, परीक्षण और 'कमीशनिंग' है तथा असली विनिर्माण 'सीमेंस' की अपनी फैक्ट्री में होगी। उन्होंने सवाल किया, ''छब्बीस हजार करोड़ रुपए के अनुबंध में निविदा देने की क्या प्रक्रिया थी? बोली लगाने की प्रक्रिया में उद्योग के कौन-कौन से बड़े प्रमुख समूह शामिल थे?'' सिहं ने कहा, ''कांग्रेस की मांग है कि इस मामले की संसदीय जांच हो, ताकि इसके सभी पहलू उजागर हो सकें।'' रेल मंत्रालय ने एक बयान में कांग्रेस के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि मुख्य विपक्षी दल ने भ्रामक दावे किए हैं। उसने कहा, ''नौ हजार एचपी इलेक्ट्रिक इंजनों के निर्माण और रखरखाव के लिए निविदा को पारदर्शी तरीके से निष्पादित किया गया तथा दाहोद लोकोमोटिव के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले लगभग 89 प्रतिशत घटक भारत में बने हैं।

एकल युवा टीम ने झील किनारे किया वृक्षारोपण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को फ्रेंडस ट्राइबल सोसाइटी (एफटीएस) की युवा टीम ने सोशल स्पॉटलाइट संस्था के साथ मिलकर सारक्की झील के किनारे वृक्षारोपण किया। एफटीएस युवा और टीम सोशल स्पॉटलाइट के सदस्यों ने यह संकल्प लिया कि वर्ष भर में लगाए गए सभी पौधों की नियमित देखरेख प्रत्येक 15 दिन में की जाएगी। कार्यक्रम में संयोजक मृदुल अग्रवाल, पवन राजलीवाल, अमित सिंह, गणपत माली, दीपिका जैन, आयुष अग्रवाला, रचना डालमिया, गौरव अग्रवाल, शुभम लोहिया, मोनिका बुरड़, नकुल बुरड़, राज्यवर्धन सिंह और दिविशा अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री के दौरे से पहले वेल्लोर नो-फ्लाई जोन बना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वेल्लोर जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन के जिले के निर्धारित दौरे के मद्देनजर 25 और 26 जून को क्षेत्र को नो-फ्लाई जोन घोषित कर दिया है। जिला कलेक्टर वी.आर. सुब्बुलक्ष्मी की ओर से जारी बयान के अनुसार, दो दिनों के दौरान ड्रोन संचालन सहित सभी गैर-पारंपरिक हवाई गतिविधियों पर सख्ती से पाबंदी रहेगी। यह निर्देश मुख्यमंत्री की यात्रा के लिए बढ़ाए गए सुरक्षा उपायों के हिस्से के रूप में आया है, जिसके दौरान वह वेल्लोर निगम सीमा के भीतर नवनिर्मित ब्रिटिश-युग के पेंटलैंड मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल का उद्घाटन करेंगे और विभिन्न लाभार्थियों को कल्याण सहायता वितरित करेंगे।

कलेक्टर ने चेतावनी दी कि बिना पूर्व आधिकारिक मंजूरी के किसी भी मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) या अन्य हवाई उपकरणों को उड़ाने पर जिला पुलिस उपकरण को तत्काल जब्त या नष्ट कर देगी। बयान में कहा गया है, कोई भी व्यक्ति या नागरिक एजेंसी नो-फ्लाई ऑर्डर का उल्लंघन करते हुए पाई जाती है, तो उसके खिलाफ आईपीसी के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस कदम का उद्देश्य मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों के दौरान गणमान्य व्यक्तियों और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, क्योंकि इन कार्यक्रमों में भारी भीड़ और महत्वपूर्ण प्रशासनिक गतिविधि होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने कहा कि जिले में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के रणनीतिक महत्व को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और भी कड़ा कर दिया गया है। दो दिवसीय यात्रा में कई कार्यक्रम और कल्याणकारी योजना के लाभार्थियों के साथ बातचीत शामिल होगी, जिसके कारण निगरानी और हवाई क्षेत्र प्रतिबंध बढ़ाने की आवश्यकता है। वेल्लोर के निवासियों और एजेंसियों से प्रशासन के साथ सहयोग करने और कानूनी परिणामों से बचने और आधिकारिक कार्यक्रमों के सुचारू निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए तय अवधि के दौरान ड्रोन या इसी तरह के हवाई गैजेट का उपयोग करने से परहेज करने का आग्रह किया गया है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने उम्मीदवारों को नियुक्ति आदेश सौंपे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु लोक सेवा आयोग (टीएनपीएससी) के माध्यम से चयनित 50 उम्मीदवारों को सोमवार को यहां सचिवालय में मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने नियुक्ति आदेश प्रदान किए। हाल ही में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के लिए जूनियर असिस्टेंट, टाइपिस्ट और स्टेनो-टाइपिस्ट के पदों पर उम्मीदवारों की नियुक्ति की गई थी। मुख्यमंत्री ने सात व्यक्तियों को नियुक्ति आदेश प्रदान किये।

यहां एक अन्य कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने चेपक-तिरुवल्लिकेनी विधानसभा क्षेत्र में 8.13 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हुई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिसमें सड़क किनारे सीवेज पंपिंग स्टेशन भी शामिल है। इसके अलावा उन्होंने 9.68 करोड़ रुपये की नई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी जिसमें 50 बिस्तरों वाला शहरी सामुदायिक कल्याण अस्पताल भवन भी शामिल है।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में सचिवालय में ट्रांसजेंडर बहन डॉ. जेन्सी ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात की और उन्हें बधाई दी, जिन्होंने लोयोला कॉलेज में अंग्रेजी विभाग में अपनी पीएचडी पूरी की है और उन्हें उसी कॉलेज में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया है। उनके साथ लोयोला कॉलेज में अंग्रेजी विभाग की प्रमुख डॉ. मैरी विद्या पोर्टसेल्वी भी थीं।

रिश्वत लेने के आरोप में खान और भूविज्ञान विभाग की उपनिदेशक निलंबित

मंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक सरकार ने कथित रिश्वतखोरी के सिलसिले में दक्षिण कन्नड़ के खान और भूविज्ञान विभाग की उपनिदेशक कृष्णवेणी को निलंबित कर दिया है। कृष्णवेणी को 28 मई, 2025 को लोकायुक्त पुलिस ने कथित रूप से 50,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। वाणिज्य और उद्योग विभाग के अवर सचिव (खान-2), एच.एम. मंजुनाथ ने 21 जून को जारी आदेश में कहा कि कृष्णवेणी को विभागीय जांच लंबित रहने तक निलंबित किया गया है और यह आदेश 28 मई से प्रभावी होगा।

इस मामले में लोकायुक्त पुलिस ने बताया था कि कृष्णवेणी को विभाग के चालक मधु के माध्यम से 50,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया था। यह रिश्वत उल्लाल तालुक के इरा गांव में 1.39 एकड़ भूमि में से 0.35 एकड़ भूमि को समतल करने की अनुमति देने से संबंधित थी। कृष्णवेणी ने कथित रूप से अपने कार्यालय के प्रथम श्रेणी सहायक आर प्रदीप कुमार को आवेदक से फाइल पर हस्ताक्षर करने के लिए 50,000रुपये लेने के लिए कहा था।

इस मामले में लोकायुक्त पुलिस ने कृष्णवेणी के अलावा प्रदीप कुमार और मधु को भी गिरफ्तार किया था।

ऐश्वर्या मामले में ईडी के समक्ष पेश हुए डी. के. सुरेश, कहा : मेरा कोई लेना-देना नहीं

बेंगलूरु। कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद डी. के. सुरेश धनशोधन से जुड़े एक मामले में पूछताछ के लिए सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए और अपना बयान दर्ज कराया। यह मामला ऐश्वर्या गौड़ा नामक

महिला के खिलाफ धनशोधन के आरोपों से जुड़ा है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि गौड़ा के खिलाफ कई लोगों के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप है। सुरेश कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के भाई हैं। ईडी ने गौड़ा को अप्रैल में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी से पहले एजेंसी ने गौड़ा, कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ तलाशी अभियान चलाया था। ईडी ने अपने बयान में कहा था कि आरोपी महिला ने खुद को कई बड़े नेताओं की करीबी के रूप में पेश किया था और सोना, नकदी और बैंक जमा पर अच्छा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर लोगों से धोखाधड़ी की। महिला पर आरोप है कि उसने खुद को डी. के. सुरेश की बहन बताया था। गौड़ा, उसके पति हरीश के. एन और कुछ अन्य के खिलाफ बेंगलूरु के चंद्र लेआउट और राजराजेश्वरी नगर थानों में कम से कम धोखाधड़ी के तीन मामले दर्ज हैं। सुरेश ने पूछताछ से पहले संवादादाताओं से बातचीत में कहा, मुझे ईडी की तरफ से सुबह 11 बजे उपस्थित होने का नोटिस मिला था। उन्होंने मुझसे कुछ जानकारी मांगी थी।

उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में सोमवार को चेपक-थिरुवल्लिकेनी विधानसभा क्षेत्र के बंगारू स्ट्रीट चेन्नई मिडिल स्कूल में सिंगारा चेन्नई 2.0 परियोजना के अंतर्गत 2.47 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित भवन का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने किया और इस मुद्दे पर चर्चा की। नगरपालिका प्रशासन मंत्री के.एन. नेहरू, ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन की मेयर आर. प्रिया, डिप्टी मेयर एम. महेशकुमार, ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन के कमिश्नर जे. कुमारगुरुबरन आदि उपस्थित थे।

रायचूर विधानसभा क्षेत्र में 936 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का उद्घाटन

रायचूर जिले के लोगों का आशीर्वाद हमेशा हमारे साथ है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायचूर। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि आज रायचूर विधानसभा क्षेत्र में 936 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का उद्घाटन किया गया, जो कांग्रेस सरकार की अपने वादों को पूरा करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। वे अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग और जिला प्रशासन द्वारा आयोजित आदिवासी सांस्कृतिक महोत्सव का उद्घाटन करने, आदिकवि महर्षि वाल्मीकि विश्वविद्यालय की नामपट्टिका का अनावरण करने और 371वें दशमोत्सव समारोह में भाग लेने के बाद बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध है। हमने इस चुनाव के दौरान 560 गारंटियों का वादा किया था। इनमें से 235 पहले ही पूरी हो चुकी हैं और बाकी अगले तीन सालों में पूरी हो जाएंगी। उन्होंने पिछली भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए उस पर विकास की अनदेखी करने और अब कांग्रेस की उपलब्धियों से हताश होकर झूठा प्रचार करने का आरोप लगाया। उन्होंने याद किया, 2013 से 2018 तक हमारी पिछली सरकार ने किए गए सभी वादों को पूरा किया और यहां तक कि 30 ऐसे वादे भी पूरे किए जो घोषणापत्र का हिस्सा नहीं थे। मोदी सरकार के तहत कीमतों में भारी वृद्धि को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि कैसे सोना, चांदी, चावल, दालें, खाना पकाने का तेल, एलपीजी, पेट्रोल, डीजल और उर्वरकों की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे आम नागरिकों पर बोझ बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, केंद्र में सत्ता में होने के बावजूद भाजपा बेशर्मी से लोगों से झूठ बोल रही है।

कल्याण कर्नाटक की प्रगति के लिए अनुच्छेद 371ग के ऐतिहासिक महत्व पर जोर देते हुए, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने याद दिलाया कि यह मल्लिकार्जुन खरगे और धरम सिंह जैसे कांग्रेस नेताओं के अथक प्रयासों का परिणाम था, जिसे मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने समर्थन दिया था। उन्होंने कहा, भाजपा ने इस ऐतिहासिक कदम का विरोध किया। जब वाजपेयी प्रधानमंत्री थे, तब आडवाणी ने कहा था कि 371ग संभव नहीं है। सत्ता में आने के बाद से, कांग्रेस सरकार ने कल्याण कर्नाटक के विकास के लिए □13,500 करोड़ आवंटित किए हैं, साथ ही आगे और अधिक धन आवंटित करने की प्रतिबद्धता भी जताई है। उन्होंने कहा, 371ग की वजह से, हमारे युवा अब इंजीनियर, डॉक्टर, आईएएस, आईपीएस, एसी और डीसी बन रहे हैं।

अन्याय को लेकर मुख्यमंत्री दिल्ली जाएंगे

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने घोषणा की कि मैं दिल्ली जाऊंगा और मांग करूंगा कि 15वें वित्त आयोग द्वारा कर्नाटक के साथ किए गए अन्याय को कम से कम 16वें वित्त आयोग में ठीक किया जाए। मैं इस संबंध में केंद्रीय वित्त मंत्री से मुलाकात करूंगा।

ईडी ने ऐश्वर्या गौड़ा 'धोखाधड़ी' मामले में चार करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की

बेंगलूरु/नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उसने कर्नाटक निवासी ऐश्वर्या गौड़ा नामक महिला के खिलाफ धन शोधन जांच के तहत करीब चार करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। महिला पर आरोप है कि उसने 'हाई

प्रोफाइल' राजनेताओं को धमकाकर और उनसे निकटता का दावा करके कई लोगों को ठगा है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के छोटे भाई और कांग्रेस नेता डी के सुरेश सोमवार को बेंगलूरु में संघीय जांच एजेंसी के समक्ष पेश हुए और इस मामले में अपना बयान दर्ज कराया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ऐश्वर्या गौड़ा नामक महिला, कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी और कुछ अन्य के खिलाफ छापेमारी की थी। इसके बाद ईडी ने अप्रैल की शुरुआत में 33 वर्षीय ऐश्वर्या गौड़ा को गिरफ्तार किया था। ईडी ने एक बयान में कहा कि अस्थायी रूप से कुर्क की गई संपत्तियों में 2.01 करोड़ रुपये मूल्य के फ्लैट, भवन और भूखंड के अलावा नकदी और 1.97 करोड़ रुपये का वाहन शामिल है।ईडी ने कहा कि इन संपत्तियों को कुर्क करने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 19 जून को आदेश जारी किया गया था। कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 3.98 करोड़ रुपये है। ईडी ने बयान में यह नहीं बताया कि कुर्क की गई संपत्ति किसकी है। गौड़ा, उनके पति हरीश के एन और कुछ अन्य के खिलाफ धन शोधन का मामला कर्नाटक पुलिस द्वारा उनके खिलाफ दर्ज कई प्राथमिकी पर आधारित है। एजेंसी ने कहा कि प्राथमिकी में आरोप है कि गौड़ा, उनके पति और अन्य ने उच्च लाभ का वादा करके बैंक खातों के माध्यम से सोना, नकदी और धन लेकर कई व्यक्तियों को धोखा देने और ठगने के लिए 'आपराधिक साजिश' रची। गौड़ा पर आरोप है कि उसने पूर्व सांसद डी के सुरेश के नाम का इस्तेमाल किया और खुद को उनकी बहन बताया। सुरेश ने उसे जानने से इनकार किया और उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। एजेंसी के सामने पेश होने से पहले उन्होंने बेंगलूरु में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''ईडी ने मुझे नोटिस जारी कर सुबह 11 बजे जांच अधिकारी के सामने पेश होने के लिए कहा है। इसलिए मैं वहां पहुंच रहा हूं।

दीक्षांत समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में आयोजित गुरुनानक कॉलेज के 49वें दीक्षांत समारोह में 36 छात्रों को पदक के साथ डिग्री और 610 छात्रों को उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. कोवि. चेझियान ने डिग्री प्रदान की। इस अवसर पर कॉलेज के रेक्टर और महासचिव मंजीत सिंह नैयर, कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. आर.एम. एझिलारसी, प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर मौजूद थे।

केरल : सत्तारूढ़ एलडीएफ नीलांबुर विधानसभा उपचुनाव कांग्रेस नीत यूडीएफ के हाथों हारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलप्पुरम/भाषा। कांग्रेस नीत विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने कड़े मुकाबले वाले उपचुनाव में सोमवार को नीलांबुर विधानसभा क्षेत्र को सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के हाथों से 11,077 मतों के अंतर से छीन लिया। इसे अगले साल केरल में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ एलडीएफ के लिए करारा झटका माना जाना जा रहा है। कांग्रेस के आर्यदान शौकत ने नीलांबुर निर्वाचन क्षेत्र में माकपा के प्रदेश सचिवालय सदस्य एम स्वराज को एक बड़े अंतर से हराया। यह जीत सप्ताह भर चले जोशीले प्रचार अभियान और प्रतिद्वंद्वियों के बीच तीखी नोकझोंक के बाद मिली।

यह मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाले एलडीएफ के लिए पिनराई विजयन सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान चौथा उपचुनाव झटका है। एलडीएफ इससे पहले पुथुपल्ली, पलक्कड़ और थ्रिक्काकारा विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव हार चुका है। सत्तारूढ़ माकपा ने कहा कि वह जनादेश को स्वीकार करती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि पहली बार एलडीएफ ने अपनी मौजूदा सीट अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के हाथों गंवायी है।

नीलांबुर सीट एलडीएफ समर्थित निर्दलीय और दो बार के विधायक पी वी अनवर के इस्तीफा देने के बाद खाली हो गई थी, जिससे इस विधानसभा क्षेत्र में गरमागरम राजनीतिक मुकाबला शुरू हो गया था। इस उपचुनाव ने व्यापक ध्यान आकर्षित किया क्योंकि इसे पिनराई विजयन सरकार के लिए सेमीफाइनल के रूप में देखा गया। यह सरकार के कार्यकाल का चौथा वर्ष है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ के लिए यहां की जीत अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मनोबल बढ़ाने वाली होगी।

नीलांबुर विधानसभा क्षेत्र में 19 जून को हुए उपचुनाव में डाले गये कुल 1,75,989 वोट में से दिवंगत कांग्रेसी नेता आर्यदान मोहम्मद के बेटे शौकत को 77,737 वोट मिले हैं। निर्वाचन आयोग ने यह जानकारी दी। उसके अनुसार, शौकत को कुल डाले गए वोटों का 44.17 प्रतिशत हिस्सा मिला। निर्वाचन आयोग ने बताया कि स्वराज को 66,660 वोटों से संतोष करना पड़ा, जो कुल मतों का 37.88 प्रतिशत था। यूडीएफ और एलडीएफ दोनों को आश्चर्यचकित करते हुए, निर्दलीय उम्मीदवार अनवर ने उपचुनाव में बढ़िया प्रदर्शन किया। अनवर को 19,760 वोट (11.23 प्रतिशत) मिले। वह अब तृणमूल कांग्रेस के राज्य संयोजक हैं।

भाजपा के नेतृत्व वाले राजग के उम्मीदवार मोहन जॉर्ज 8,648 वोट (4.91 प्रतिशत) के साथ काफी पीछे रहे, जिससे अगले साल विधानसभा चुनाव से पहले निर्वाचन क्षेत्र में इस दल की पैठ बनाने की उम्मीदों को झटका लगा है। शौकत ने कहा, ''यह नीलांबुर के लोगों की जीत है... केरल के सभी लोगों की जीत है। एलडीएफ शासन के प्रति लोगों की अवमानना ङ्कङ्कऔर विरोध वोटों में बदल गया है।'' शौकत को स्वराज ने बधाई दी। हालांकि स्वराज ने सत्ताविरोधी लहर से इनकार किया।

विधानसभा में विपक्ष के नेता (कांग्रेस) वी डी सतीशन ने फेसबुक पोस्ट में कहा, ''.. यह यूडीएफ है - एक संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा जो एक पार्टी की तरह काम करता है। 2026 में यूडीएफ तूफान की तरह (सत्ता में) वापस आएगा।'' कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने शौकत की जीत को मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के कुशासन के खिलाफ ''जनता का फैसला'' करार दिया। चुनाव परिणाम पर प्रतिक्रिया देते हुए माकपा के प्रदेश सचिव एम वी गोविंदन ने कहा कि मार्क्सवादी पार्टी नीलांबुर में जनता के फैसले को स्वीकार करती है। उन्होंने कहा, ''हम अपनी चुनावी हार की समीक्षा करेंगे और अपनी गलतियों को सुधार कर आगे बढ़ेंगे।''

भजनलाल ने जनसुनवाई कर लोगों की समस्याएं सुनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को यहां जनसुनवाई की और लोगों की समस्याओं को सुना और उनके समाधान के निर्देश दिए। शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई में आमजन की परिवेदनाओं को सुना तथा अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी परिवादियों की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण करें, जिससे आमजन को शीघ्र राहत मिल सके।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पात्र व्यक्तियों को योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए 24 जून से प्रदेशभर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़ा मनाया जाएगा। इसके तहत जरूरतमंद व्यक्ति को महत्वपूर्ण विभागों की योजनाओं एवं आवश्यक कार्यों के माध्यम से लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने आमजन से इस अभियान के तहत लगने वाले शिविरों में पंजीकरण कराकर इसका अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आमजन अपने परिचितों को भी इस अभियान से जुड़कर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करें। जनसुनवाई के दौरान भूतपूर्व सैन्य अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को सिंदूर का पौधा भेंट किया।

ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस एवं शौर्य के लिए सैन्य अधिकारियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया। इस अवसर पर जिला कुश्ती संघ के पदाधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री को प्रदेश में कुश्ती खेल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सुझाव दिए, जिस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस संबंध में सकारात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनरेगा, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन मौजूद थे।

सोनिया गांधी ने जो कहा वह देश हित में कहा : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि कांग्रेस की नेता सोनिया गांधी अपने आर्टिकल में जो कहा वह जनहित एवं देश हित में कहा हैं। गहलोत ने सोमवार को यहां प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में संजय गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद मीडिया से बातचीत में श्रीमती सोनिया गांधी के द्वारा लिखे आर्टिकल के संबंध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के रुख पर यह बात कही। उन्होंने कहा सोनिया गांधी ने पब्लिक इंटरेस्ट में देश हित के अंदर जो कुछ कहा वो देश हित में कहा कि स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए और भ्रम से देश को नुकसान है सब तरह से। देखिए प्रतिष्ठा को नुकसान है, मैंने कहा है इतना बड़ा लोकतांत्रिक मुल्क है लोग उम्मीद करते हैं हमसे, ये तमाम बातें जो हैं सोनिया गांधी ने सोच समझ के कहा, इसलिए बेचैन हो गई भाजपा। भाजपा में इतनी बेचैनी फैल गई है कि वो सोशल मीडिया के माध्यम से, टीवी के माध्यम से जो जाते हैं वो उसका विश्लेषण करवा रहे हैं जबकि जो सकारात्मक सोच वाले लोग हैं वो अच्छे ढंग से विश्लेषण कर रहे हैं सोनिया गांधी के आर्टिकल का और लोग तारीफ भी कर रहे हैं।ये तो और क्या कहेंगे, हमेशा फंसे रहे हैं, जब कभी दुनिया में युद्ध हुआ है चाहे हमारे पड़ोसी मुल्क में बंगलादेश में ही क्यों नहीं हो, बंगलादेश के हिंदू लोगों की जो दुर्दशा कर रहे थे वहां के लोग जब शेख हसीना आ गईं हिंदुस्तान में, तो कितने स्टेप उठाए गए ।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट के बाद तनाव; 13 लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान के पोकरण कस्बे में सोशल मीडिया पर 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' से संबंधित आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर तनाव बढ़ने के बाद कम से कम 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि योग दिवस के बारे में कथित तौर पर आपत्तिजनक पोस्ट साझा करने को लेकर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि उस व्यक्ति की गिरफ्तारी के बाद रविवार रात करीब 11 बजे पोकरण थाने के बाहर भीड़ जमा हो गई, जिससे वहां लोक व्यवस्था में बाधा पैदा हुई।

पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी के अनुसार, रात में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व स्थानीय सरपंच के पति फिरोज खान ने किया। चौधरी ने कहा, फिरोज खान ने लोगों को गुमराह किया और उन्हें थाने के बाहर इकट्ठा होने के लिए उकसाया। चौधरी ने बताया, खान और उसके पांच साथियों को सरकारी काम में बाधा डालने और अशांति फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, शांति भंग करने के आरोप में छह अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया। चौधरी ने स्थिति का जायजा लेने के लिए पोकरण का दौरा किया और अधिकारियों को कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, स्थिति अब पूरी तरह से नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अन्य संदिग्धों की पहचान कर ली है और टीम उन्हें गिरफ्तार करने के लिए तलाशी अभियान चला रही हैं। अधिकारियों ने कहा है कि सांप्रदायिक सद्भाव या सार्वजनिक शांति को बिगाड़ने वाले किसी भी कृत्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चौधरी ने लोगों से सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री को साझा करने या उस पर टिप्पणी करने से बचने की अपील की है।

भाजपा शासन से जनता त्रस्त : डोटासरा

जयपुर। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कानून व्यवस्था सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधा और कहा कि भाजपा शासन से जनता त्रस्त है। डोटासरा ने पार्टी कार्यालय में मीडिया से बातचीत में कहा कि राजस्थान में डेढ़ वर्ष के भाजपा शासन से जनता त्रस्त हो चुकी है और प्रदेश में सरकार नाम की चीज नजर नहीं आती। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार चरम पर है और कानून व्यवस्था चरमरा गई है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि किसानों के लिए बुवाई का समय है लेकिन उन्हें खाद बीज मिल नहीं रहा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नगर निकाय और पंचायत राज के चुनाव समय पर नहीं करवा पा रही है। वहीं, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने इन आरोपों पर पलटवार करते हुए एक कार्यक्रम के इतर कहा कि जनता द्वारा संवैधानिक व्यवस्था से चुनी गई राजस्थान की 'डबल इंजन' की सरकार जनता की उम्मीदों के अनुरूप काम कर रही है। उन्होंने कहा,डोटासरा की स्थिति जब भी डावांडोल होती है तो वह अपनी आवाज को ऊंची करने के लिए भाजपा और भाजपा सरकार की नीतियों को कोसना शुरू कर देते हैं।

पारदर्शिता व सेवा को बनाएं सर्वोच्च प्राथमिकता : जोगाराम पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य,विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने जोधपुर की पंचायत समिति लूणी में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े की तैयारियों की गहन समीक्षा की गई। पटेल ने कहा कि यह पखवाड़ा प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का जनसेवी अभियान है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में आयोजित शिविरों की कार्ययोजना प्रभावशाली, समन्वित और समयबद्ध हो तथा सभी विभाग समर्पित भावना से इसमें सहभागी बनें।

पटेल ने निर्देश दिए कि हर शिविर में सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से समुचित पुलिस जाब्ता तैनात किया जाए और आमजन की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क अनिवार्य रूप से स्थापित हो। उन्होंने कहा कि रास्ता खोलो अभियान के अंतर्गत विभागीय समन्वय आवश्यक है और संबंधित विभाग नियमित मॉनिटरिंग कर इसकी प्रगति सुनिश्चित करें। उन्होंने डिजिटल स्तर पर लंबित त्रुटियों के त्वरित सुधार की आवश्यकता जताई और कहा कि डीओआईटी के साथ-साथ अन्य विभागों को भी शिविर संचालन हेतु प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि तकनीकी त्रुटियाँ न्यूनतम हों। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिविर में अपने विभाग की समीक्षा करें, जिससे योजनाओं का लाभ आमजन को सुगमता से प्राप्त हो। पटेल ने लूणी क्षेत्र के सभी विद्यालयों में विद्युतीकरण सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे उनसे संपर्क कर शीघ्र पालना रिपोर्ट प्रस्तुत करें। पटेल ने अंत्योदय पखवाड़े के साथ ही आगामी हरियालो राजस्थान कार्यक्रम की ओर भी ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ जिला स्तर पर समुचित पौधारोपण की कार्य योजना तैयार करें, जिससे पर्यावरणीय सुदृढ़ता के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता भी सुनिश्चित हो। बैठक में जानकारी दी गई कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा 24 जून से 9 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। इस दौरान प्रत्येक तहसील में प्रतिदिन दो से तीन शिविरों का आयोजन किया जाएगा। राजस्व, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, ऊर्जा, जलदाय, कृषि, वन, खाद्य, स्वास्थ्य, पशुपालन, शिक्षा, सामाजिक न्याय व अन्य विभागों की 60 से अधिक जनोपयोगी सेवाएं इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों तक पहुंचाई जाएंगी। नोडल सेल द्वारा शिविरों की सघन मॉनिटरिंग की जाएगी और पोर्टल पर प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। पटेल ने कहा कि यह अभियान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उस भावना का प्रतिरूप है, जिसमें शासन अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी समस्याओं का यथास्थान समाधान करता है।

बारां में मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारां। राजस्थान में बारां जिले में सोमवार को लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। जिले में तेज बारिश के कारण बारां शहर में प्रताप चौक, मुख्य बाजार, स्टेशन रोड़, सदर मार्केट, अस्पताल रोड़ बारिश से जलमग्न हो गए। इन स्थानों पर ढ़ाई से तीन फुट जलभराव हो गया। सुबह से हो रही बारिश के कारण अन्नपूर्णा नगरी की सड़कें दरिया बन गईं वहीं निचले क्षेत्रों में पानी भर गया।

आदिवासी अंचल में कल रात दो बजे से मूसलाधार बारिश जारी है। किशनगंज-शाहबाद क्षेत्र के कई गांवों के संपर्क टूटने की सूचना मिली रही है। बारिश के कारण भंवरगढ़ पुलिस थाना जलमग्न हो गया। केलवाड़ा क्षेत्र में कल रात से मूसलाधार बारिश से जलभराव के कारण खल्दा गांव में बाढ़ की स्थिति बन गई। लोग घरों से निकलकर छतों पर अश्रय लिये हुए हैं।

जिले के नदी-नाले भी उफान पर हैं। कालीसिंध की पुरानी पुलिया से पानी बह गया। वहीं परवन और पार्वती नदिया भी बारिश के पानी से उफान पर हैं। उधर जिला कलेक्टर रोहिताश सिंह तोमर ने लोगों से लगातार हो रही बारिश के मद्देनजर जलभराव वाले स्थानों, बिजली के खंभों और तारों से दूर रहने का अनुरोध किया है।

महिला एवं 11 माह के बच्चे की हत्या के आरोप में एक गिरफ्तार : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धौलपुर। राजस्थान के धौलपुर जिले में महिला और उसके शिशु की कथित हत्या के मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है तथा एक नाबालिग लड़के को हिरासत में लिया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि यह कथित तौर पर झूठी शान की खातिर हत्या यानी 'ऑनर किलिंग' का मामला जान पड़ता है। महिला ट्विंकल (22) का शव 17 जून को धौलपुर में एफसीआई गोदाम के पास और उसके 11 महीने के बेटे रुद्र का शव रेलवे ट्रैक के पास मिला था। जांच के बाद पुलिस ने रविवार को ट्विंकल के जीजा मिथुन सिंह को गिरफ्तार किया तथा ट्विंकल के 16 वर्षीय भाई को हिरासत में लिया।

ट्विंकल के अपनी जाति से बाहर के एक युवक से प्रेम संबंध थे और उसने परिवार की मर्जी के खिलाफ उससे शादी की थी। धौलपुर के पुलिस उपाधीक्षक मुनेश मीणा ने बताया कि मुख्य आरोपी और ट्विंकल के जीजा मिथुन सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि उसके नाबालिग भाई को भी रविवार को हिरासत में लिया गया। उन्होंने कहा कि मिथुन सिंह को आज न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया तथा नाबालिग को बाल सुधार गृह भेज दिया गया।

मीणा का कहना है कि 17 जून को पुलिस को धौलपुर स्टेशन के पास रेल पटरियों पर एक शिशु का शव मिला। कुछ ही दूरी पर एफसीआई गोदाम के पास महिला का शव मिला था। महिला के शव के पास एक बैग में मिली पर्ची से पुलिस को एक मोबाइल नंबर मिला, जिसके जरिए उसने उसके पति दीपक से संपर्क किया। दीपक आगरा का रहने वाला है और फिलहाल मध्यप्रदेश में रह रहा है। पुलिस के अनुसार ट्विंकल करीब दो साल पहले दीपक के साथ घर छोड़कर चली गई और और दोनों होशंगाबाद (मध्यप्रदेश) में रह रहे थे।

पुलिस का कहना है कि अंतरजातीय विवाह के कारण ट्विंकल के परिवार वाले उससे नाराज थे जिसके चलते उसके नाबालिग भाई और बहनोई मिथुन सिंह ने उसकी हत्या की साजिश रची। पुलिस के मुताबिक ट्विंकल का नाबालिग भाई 15 जून को उसे परिवार से मिलाने के बहाने बहला-फुसलाकर ट्रेन से धौलपुर ले आया। धौलपुर में मिथुन उनसे मिला और वे उसे एक सुनसान जगह पर ले गए। पुलिस का कहना है कहा कि इसके बाद दोनों ने कथित तौर पर ब्लेड से उसका गला काट दिया और दुपट्टे से उसका गला घोंट दिया। उन्होंने शिशु को भी गला घोंटकर मार डाला ।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत वास्तविक पात्र व्यक्ति को लाभ पहुंचाना रहे प्राथमिकता : गोदारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा ने बालोतरा जिला कलेक्ट्रेट सभागार में एक दिवसीय दौरे के दौरान जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में उन्होंने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना, गिव अप अभियान, नये नामों को जोड़ने, लाभार्थियों की आधार सीडिंग और ई-केवाईसी जैसे महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर गहन समीक्षा की। सुमित गोदारा ने गिव अप अभियान की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली और इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने खाद्य सुरक्षा पोर्टल पर वर्ष 2022 और 2025 से लंबित आवेदनों के निस्तारण की गुणवत्ता की समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को लंबित आवेदनों का शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में नए जुड़े लाभार्थियों की आधार सीडिंग और ई-केवाईसी की वर्तमान स्थिति पर भी चर्चा हुई। उन्होंने आधार सीडिंग और ई-केवाईसी की प्रक्रिया में तेजी लाने और शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। राशन डीलरों के बकाया कमीशन और परिवहनकर्ताओं के बकाया बिल भुगतान की स्थिति की समीक्षा कर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में लंबित भुगतानों को शीघ्र निपटाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए ताकि इन महत्वपूर्ण हितधारकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे विभाग से संबंधित सभी कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करें ताकि आम जनता को योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके। बैठक के दौरान उन्होने अधिकरियों को गिव अप अभियान के तहत लक्ष्य आवंटित कर उत्तरदायित्व को निर्धारित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत वास्तविक पात्र व्यक्ति को लाभ सुनिश्चित करने के लिए आवेदनों का गहनता से जांच करें।

मंत्री गोदारा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाडे के दौरान लाभार्थियों की आधार सीडिंग और ई-केवाईसी का कार्य प्राथमिकता के साथ पूर्ण करवाया जाये। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिविरों के माध्यम से पात्र गरीबों को शत-प्रतिशत लाभ मिले और कोई भी व्यक्ति योजनाओं से वंचित न रहे। उन्होंने समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिये।

खाद्य मंत्री गोदारा ने प्रधानमंत्री अन्न कल्याण योजना के तहत निर्देश दिए कि सुनिश्चित किया जाए कि पात्र लाभार्थियों को समय पर और पूरी मात्रा में राशन सामग्री मिले। उन्होंने उचित मूल्य की दुकानों पर पारदर्शिता बनाए रखने, स्टॉक की नियमित जांच करने और वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया। गोदारा ने कहा कि प्रधानमंत्री अन्न कल्याण योजना केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है जो गरीब परिवारों को खाद्य सुरक्षा प्रदान करती है। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

खाद्य मंत्री गोदारा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में पात्र गरीबों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना से लाभांवित करने को प्रतिबद्ध है। इसी उदेश्य से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में गिव अप अभियान संचालित किया जा रहा है।

जिसके तहत सक्षम व्यक्ति स्वैच्छा से अपना नाम हटा कही न कही गरीब व्यक्ति को योजना से लाभांवित करने में सहयोग कर रहा हैं। उन्होंने जिले के सभी सक्षम लाभार्थियों से अपील कर कहा कि वे अपना नाम स्वैच्छा से हटाये, ताकि वास्तविक पात्र व्यक्ति को योजना का लाभ मिल सके। इस अवसर पर बालोतरा जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव, सिवाना विधायक हमीर सिंह भायल एवं रसद विभाग के समस्त अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉ. मुखर्जी ने अपना पूरा जीवन भारत की एकता, अखंडता तथा सांस्कृतिक पुनर्जागरण के लिए किया समर्पित : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक और राष्ट्रवाद के प्रतीक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस पर सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। शर्मा ने कहा कि प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. मुखर्जी एक असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे।

वे केवल विचारक ही नहीं, बल्कि कर्मयोद्धा भी थे, जिन्होंने भारत की एकता, अखंडता तथा सांस्कृतिक पुनर्जागरण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने जनसंघ के माध्यम से एक ऐसा मंच बनाया, जो सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और भारतीय मूल्यों पर आधारित था। डॉ. मुखर्जी का सपना एक ऐसे भारत का निर्माण करना था, जो सांस्कृतिक रूप से एकजुट और सामाजिक रूप से समरस हो।

बिहार की जनता राज्य में जंगल राज वापस नहीं आने देगी : गिरिराज सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमशेदपुर/भाषा। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को कहा कि बिहार की जनता राज्य में ''जंगल राज'' की वापसी नहीं होने देगी।

सिंह ने दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के शासनकाल में राज्य में जंगल राज था। वह यहां नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह सहित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए आए थे।

सिंह ने संवाददाताओं से कहा, ''बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि लोग 2005 से पहले लालू प्रसाद के नेतृत्व में मौजूद अराजकता और जंगल राज के खिलाफ पहले से ही जागरूक और सतर्क हैं।''

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने आगामी चुनावों के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, ''लोग राजग का समर्थन करेंगे और हमें 200 प्रतिशत विश्वास है कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनेगी।''

राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर द्वारा स्थापित जन सुराज पार्टी और अगली सरकार बनाने के उसके दावों के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने उन्हें खारिज करते हुए कहा, ''चुनाव लड़ने वाले निर्दलीय उम्मीदवार भी ऐसे ही दावे करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''बिहार के लोग राजनीतिक रूप से परिपक्व हैं। वे लालू प्रसाद की तरह अराजकता वाली सरकार को वापस लाने की गलती नहीं करेंगे।''

गिरिराज सिंह के इस्पात नगरी पहुंचने पर भाजपा की जमशेदपुर महानगर कमेटी ने अपने अध्यक्ष सुधांशु ओझा के नेतृत्व में सर्किट हाउस में उनका (सिंह) गर्मजोशी से स्वागत किया।

ट्रेन में एक बैग में लावारिस शिशु मिला, अस्पताल में भर्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुरादाबाद (उप्र)/भाषा। मुरादाबाद में पटना-चंडीगढ़ समर स्पेशल ट्रेन के एसी द्वितीय श्रेणी के डिब्बे में एक बैग में एक लावारिस नवजात शिशु पाया गया।

राजकीय रेलवे पुलिस के निरीक्षक मुस्तकीम अली ने बताया कि शनिवार देररात डिब्बे में यात्रियों ने एक बैग में कुछ हलचल देखी जिसके बाद संदेह होने पर उन्होंने रेलवे अधिकारियों को सूचित किया तथा जब बैग के अंदर देखा गया तो उसमें एक नवजात शिशु मिला। उन्होंने कहा, ''अलर्ट मिलने पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और चाइल्डलाइन के कर्मी हरकत में आये और मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पहुंचने पर शिशु को ट्रेन से उतारा गया और उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाल रोग विशेषज्ञ उसकी गहन देखभाल कर रहे हैं।''

अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर निर्मला पाठक ने बताया कि शिशु को संभवतः लंबे समय तक बैग में बंद रहने के कारण सांस लेने में कठिनाई हो रही थी लेकिन तत्काल चिकित्सा सहायता मिलने के बाद उसकी परेशानी दूर होने लगी। उन्होंने पुष्टि की कि नवजात से जुड़ी गर्भनाल को देखने से जाहिर होता है कि शिशु को जन्म के तुरंत बाद छोड़ दिया गया था।

रेलवे अधिकारियों ने कहा कि वे ट्रेन के मार्ग के साथ-साथ स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं ताकि शिशु को छोड़ने के जिम्मेदार व्यक्ति की पहचान की जा सके।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रपति मुर्मू के भाषणों के संग्रह का विमोचन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा अपने कार्यकाल के दूसरे वर्ष के दौरान दिए गए 51 भाषणों के संग्रह का सोमवार को विमोचन किया। सिंह ने इस मौके पर कहा कि यह ''विकसित भारत के दृष्टिकोण का कर्म ग्रंथ'' बनेगा।

राष्ट्रपति भवन परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में सिंह ने अंग्रेजी में 'विंग्स टू आवर होप्स- वॉल्यूम-2' और हिंदी में 'आशाओं की उड़ान-खंड-2' नाम से प्रकाशित पुस्तक और इसके ई-संस्करण का विमोचन किया। राष्ट्रपति के भाषणों को राष्ट्रपति भवन ने संकलित और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रकाशन विभाग ने प्रकाशित किया है।

पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन भी मौजूद थे।

रक्षामंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''यह पुस्तक 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने का साधन बनेगी।''

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा रविवार को जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया था कि 'विंग्स टू आवर होप्स- वॉल्यूम-2' राष्ट्रपति के 51 भाषणों का संग्रह है, जो महामहिम के कार्यकाल के दूसरे वर्ष (अगस्त 2023- जुलाई 2024) के दौरान उनके दृष्टिकोण, दर्शन और प्राथमिकताओं की झलक प्रदान करता है।

नड्डा ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

अनुच्छेद-370 के खिलाफ उनकी लड़ाई को याद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने सोमवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी 72वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि यह देश अब एक संविधान के तहत एकजुट है और यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

नड्डा ने यहां स्थित भाजपा मुख्यालय में मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भारतीय जनसंघ के नेता की 1953 में श्रीनगर की एक जेल में तब ''रहस्यमय परिस्थितियों'' में मृत्यु हो गई थी, जब उन्हें विशेष परमिट के बिना जम्मू-कश्मीर में प्रवेश करने का प्रयास करने पर गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि उस समय राज्य के विशेष दर्जे के कारण परमिट आवश्यक था जिसका मुखर्जी ने कड़ा विरोध किया था।

नड्डा ने कहा कि मुखर्जी ने 'दो विधान, दो प्रधान, दो निशान' के खिलाफ आंदोलन शुरू किया था, जिसका संदर्भ जम्मू-कश्मीर के अलग संविधान, प्रधानमंत्री और झंडे से था।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मुखर्जी ने भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की 'तुष्टीकरण की नीति' के कारण उनके पहले मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था।

मुखर्जी ने 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना की।

जम्मू-कश्मीर में प्रधानमंत्री (वजीर ए आजम) का पद 1965 में समाप्त किया गया, लेकिन राज्य का अलग संविधान और झंडा जारी रहा, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करके समाप्त कर दिया। इसके बाद जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के रूप में पुनर्गठित किया गया।

नड्डा ने कहा कि देशभर में भाजपा के सदस्य मुखर्जी को याद कर रहे हैं जो एक बहुमुखी व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति थे। उन्होंने कहा कि मुखर्जी अविभाजित बंगाल की विधानसभा के सदस्य निर्वाचित होने से पहले 33 वर्ष की उम्र में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति थे।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पश्चिम बंगाल, पंजाब और असम को भारत का हिस्सा बनाने में उनका बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि भाजपा का संकल्प है कि रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु जैसी घटना दोबारा न हो और देश में लोकतंत्र मजबूत बना रहे।

सपा के तीन विधायक पार्टी से निष्कासित, विधायकों ने की आलोचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) ने तीन बागी विधायकों-- अभय सिंह, राकेश प्रताप सिंह और मनोज कुमार पांडेय को सोमवार को निष्कासित कर दिया।

गोसाईगंज से सपा विधायक अभय सिंह, गौरीगंज से पार्टी विधायक राकेश प्रताप सिंह और ऊंचाहार से विधायक मनोज कुमार पांडेय पर खुले तौर पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थन में आने का आरोप है।

निष्कासित विधायकों ने अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पार्टी के फैसले की कड़ी आलोचना की तथा इसके आंतरिक नेतृत्व और वैचारिक भटकाव पर सवाल उठाए।

सपा ने इन तीनों विधायकों के निष्कासन का एलान करते हुए 'एक्स' पर कहा, ''समाजवादी सौहार्दपूर्ण सकारात्मक विचारधारा की राजनीति के विपरीत साम्प्रदायिक विभाजनकारी नकारात्मकता तथा किसान, महिला, युवा, कारोबारी, नौकरीपेशा और 'पीडीए विरोधी' विचारधारा का साथ देने के कारण'' तीनों विधायकों को पार्टी से निष्कासित किया गया है।

पार्टी ने कहा, ''इन लोगों को हृदय परिवर्तन के लिए दी गयी 'अनुग्रह-अवधि' की समय-सीमा अब पूर्ण हुई। भविष्य में भी 'जन-विरोधी' लोगों के लिए पार्टी में कोई स्थान नहीं होगा और पार्टी के मूल विचार की विरोधी गतिविधियां सदैव अक्षम्य मानी जाएंगी।''

विधानसभा उपचुनाव :

पश्चिम बंगाल की कालीगंज सीट पर तृणमूल कांग्रेस को मिली जीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में स्थित कालीगंज विधानसभा सीट पर हुए उप चुनाव में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार अलीफा अहमद ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार आशीष घोष को 50,049 मतों के अंतर से हराया है। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर सोमवार को मतगणना के आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

अलीफा अहमद ने अपने पिता नसीरुद्दीन अहमद के 2021 के जीत के अंतर को बेहतर किया, जिनका इस साल फरवरी में निधन होने के कारण यह सीट खाली हुई थी।

निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर जारी आंकड़ों के मुताबिक, अंतिम 23वें चक्र की मतगणना के बाद अलीफा को 1,02,759 वोट मिले, जबकि घोष को 52,710 वोट मिले।

वाम दलों द्वारा समर्थित कांग्रेस उम्मीदवार काबिल उद्दीन शेख 28,348 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

अलीफा अहमद को 2021 में पिता को मिले कुल 1,11,696 मतों से लगभग 9,000 मत कम मिले, लेकिन उनकी जीत का अंतर चार साल पहले नसीरुद्दीन के 46,987 वोटों के अंतर से अधिक है।

अलीफा (38) पेशे से इंजीनियर हैं और राजनीति में कदम रखने के लिए कोलकाता की एक आईटी फर्म में अपनी कॉर्पोरेट की नौकरी छोड़ दी।

मतगणना केंद्र के बाहर अलीफा ने अपनी जीत का श्रेय ''लोगों के प्यार'' को दिया और ''ममता बनर्जी की विकास की राजनीति में विश्वास जताने'' के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

अलीफा ने भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के दावे के जवाब में कहा, ''मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि हिंदुओं ने हमें वोट नहीं दिया है। हमें अपने निर्वाचन क्षेत्र के कुछ हिंदू बहुल इलाकों से महत्वपूर्ण बढ़त मिली है।'' उन्होंने कहा, ''हमने किसी विशेष समुदाय के मतों को लक्षित नहीं किया। हमने सभी मतदाताओं से संपर्क किया और परिणाम दर्शाते हैं कि उनका स्पष्ट जनादेश बंगाल में किसी भी प्रकार के सांप्रदायिक विभाजन को बर्दाश्त नहीं करने का है।''

निर्वाचन आयोग द्वारा आधिकारिक तौर पर परिणाम घोषित करने से पहले ही तृणमूल अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कालीगंज के लोगों को बधाई दी और उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''क्षेत्र के सभी धर्मों, जातियों, नस्लों और पेशे के लोगों ने कालीगंज विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करके हमें अपार आशीर्वाद दिया है। मैं विनम्रतापूर्वक उनके प्रति आभार व्यक्त करती हूं। इस जीत के मुख्य सूत्रधार 'मां, माटी और मानुष' हैं। कालीगंज के मेरे साथियों ने इसके लिए अथक परिश्रम किया है। मैं उन्हें भी अपनी हार्दिक बधाई देती हूं। सभी को मेरा प्रणाम और वंदन।''

पहलगाम आतंकी हमले के बाद असम में 97 'राष्ट्र विरोधी' गिरफ्तार : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। पहलगाम आतंकी हमले के बाद असम के विभिन्न हिस्सों से कथित तौर पर 'हिंदू विरोधी' होने के आरोप में दो और लोगों को गिरफ्तार किए जाने के बाद अब तक ऐसे मामलों में कुल 97 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को यह जानकारी दी।

शर्मा ने 'एक्स' पर लिखा कि तिनसुकिया और नगांव जिलों से एक-एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा, ''हिंदू विरोधी तत्वों पर कार्रवाई जारी... 97 राष्ट्र विरोधी और हिंदू विरोधी अपराधी अब सलाखों के पीछे।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि तिनसुकिया से गिरफ्तार व्यक्ति ने हिंदू धर्म पर आपत्तिजनक सामग्री सोशल मीडिया पर साझा की थी, जबकि नगांव के आरोपी ने भगवान राम पर अपमानजनक टिप्पणी की थी।

इससे पहले, विपक्षी एआईयूडीएफ विधायक अमीनुल इस्लाम को पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान और उसकी मिलीभगत का कथित तौर पर बचाव करने के लिए देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

मामले में जमानत मिलने के बाद, इस्लाम को फिर से राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लिया गया।

शर्मा ने दो मई को जम्मू-कश्मीर आतंकी हमले के बाद 'पाकिस्तान जिंदाबाद' का नारा लगाने वालों की 'टांगें तोड़ने' की धमकी दी थी।

पंचायत चुनावों के लिए एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय सेना को ताकत देने और प्रार्थना करने की अपील की थी, ताकि दुनिया में कहीं भी छिपे पाकिस्तानी आतंकवादियों को पकड़कर 'उनकी टांगें तोड़ दी जाएं'।

लालू प्रसाद ने राजद अध्यक्ष के तौर पर पुनः निर्वाचन के लिए नामांकन पत्र भरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद ने पार्टी के शीर्ष पद पर पुनः निर्वाचित होने के लिए सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

लगभग तीन दशक पहले राजद की स्थापना के बाद से ही वह पार्टी के अध्यक्ष पद पर बने हुए हैं।

लालू प्रसाद (78) अपने छोटे बेटे और उनके उत्तराधिकारी माने जाने वाले तेजस्वी यादव और पत्नी राबड़ी देवी के साथ पार्टी कार्यालय पहुंचे।

एक वक्त में अपने देसी लहजे और मजाकिया अंदाज के लिए मशहूर लालू प्रसाद की झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय पहुंचे।

इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत में तेजस्वी यादव ने कहा, ''लालू जी के अपना कार्यकाल पूरा करने तथा एक और कार्यकाल के लिए तैयार होने पर पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच खुशी की लहर दौड़ गयी है। हमें विश्वास है कि उनका नेतृत्व हमें आने वाले दिनों में जीत की ओर ले जाएगा।''

पिछले सप्ताह यहां पार्टी की राज्य परिषद की बैठक में प्रसाद ने राजद कार्यकर्ताओं से आह्वान किया था कि वे आगामी विधानसभा चुनाव में यादव को बिहार का अगला ''मुख्यमंत्री'' बनाने के संकल्प के साथ उतरें।

राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने कहा कि प्रसाद के पुनः निर्वाचन की औपचारिक घोषणा उचित समय पर की जाएगी। गगन संगठनात्मक चुनावों के लिए सहायक निर्वाचन अधिकारी भी हैं।

लालू प्रसाद द्वारा जनता दल में विभाजन के परिणामस्वरूप 1997 में राष्ट्रीय जनता दल की स्थापना की गयी थी।

लोगों को कहने दीजिए, मैं अपना काम करता रहूंगा : बुमराह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लीड्स/भाषा। जसप्रीत बुमराह के आलोचकों को लगता था कि अपने अजीबोगरीब गेंदबाजी एक्शन के कारण वह आठ से दस महीने के अंदर अर्श से फर्श पर आ जाएंगे लेकिन यह उनका आत्मविश्वास ही था जिससे यह भारतीय के गेंदबाज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक दशक पूरा करने में सफल रहा। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में 83 रन देकर पांच विकेट लिए। टेस्ट मैचों में 14वीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट लेने के बाद उन्होंने अपनी सफलता का राज बताया।

बुमराह से पूछा गया कि चोटिल होने के बाद हर बार उन्हें चुका हुआ मान लिया जाता है तो क्या उन्हें बुरा लगता है, उन्होंने कहा, ''लोगों को लगता था कि इन सभी वर्षों में (मैं केवल) आठ महीने खेलूंगा, कुछ ने कहा कि 10 महीने, लेकिन अब मैंने 10 साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और 12-13 साल आईपीएल खेल लिया है।'' उन्होंने कहा, ''यहां तक कि अब भी लोग (हर चोट के बाद) कहते हैं कि वह आगे नहीं खेल पाएगा। उन्हें कहने दीजिए, मैं अपना काम करता रहूंगा। हर चार महीने में ये चीजें सामने आती रहेंगी, लेकिन जब तक ईश्वर की कृपा रहेगी, मैं खेलता रहूंगा।''

बुमराह ने कहा, ''मैं अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ तैयारी करता हूं और फिर यह ईश्वर पर छोड़ देता हूं कि वह मुझ पर और कितना आशीर्वाद बरसाते हैं।''

इंग्लैंड को पहली पारी में बढ़त लेने से रोकने में अहम भूमिका निभाने वाले बुमराह ने कहा कि वह यहां लोगों की धारणा बदलने के लिए नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''लोग क्या लिखते हैं, यह मेरे नियंत्रण से बाहर है और मैं लोगों को यह सलाह नहीं दे सकता कि वे मेरे बारे में क्या लिखें। अगर मेरे बारे में लिखने से उन्हें पाठक मिलते हैं तो इसमें मुझे कोई परेशानी नहीं है।''

मैच के बारे में बुमराह ने कहा कि विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा है, लेकिन खेल आगे बढ़ने के साथ इसमें दरार पड़ सकती है। उन्होंने कहा,''इस समय यह विकेट बल्लेबाजी के लिए बहुत अच्छा है। यह थोड़ा सा दोहरी गति वाला है, विकेट में कोई बड़ी समस्या नहीं है। मौसम के कारण, नई गेंद स्विंग करेगी, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में आप यही उम्मीद करते हैं। हम बड़ा स्कोर बनाकर उनके सामने मुश्किल लक्ष्य रखना चाहेंगे।''

प्रधानमंत्री ने अनुच्छेद 370 को हटाकर मुखर्जी के बलिदान का सम्मान किया : धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाकर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान का सम्मान किया है। अनुच्छेद 370 से जम्मू-कश्मीर को राज्य का विशेष दर्जा दिया गया था। हालांकि अब यह निरस्त किया जा चुका है।

भाजपा की दिल्ली इकाई ने मुखर्जी की पुण्यतिथि के अवसर पर यहां एस. पी. मुखर्जी पार्क में एक स्मृति सभा का आयोजन किया जिसमें प्रधान और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित पार्टी के कई नेता शामिल हुए और उन्होंने मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

प्रधान ने कहा कि भाजपा और जनसंघ कार्यकर्ताओं के लिए मुखर्जी सिर्फ एक नेता और विचारक नहीं थे बल्कि एक विचार थे जो आज भी जीवित है। उन्होंने कहा, ''72 साल पहले उन्होंने जम्मू-कश्मीर में ''एक देश में दो व्यवस्थाओं'' की अवधारणा का विरोध किया था...। जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किया तो यह उनके बलिदान का सम्मान था।''

प्रधान ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद देश में विभिन्न विचारधारा वाले समूह थे जिसमें सांप्रदायिक, कम्युनिस्ट और राष्ट्रवादी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मुखर्जी अक्सर प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की नीतियों से असहमत होते थे, इसीलिए उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने का विकल्प चुना था।

प्रधान ने कहा, ''इस महत्वपूर्ण क्षण ने उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से हाथ मिलाने और जनसंघ के रूप में एक वैकल्पिक राजनीतिक विचारधारा स्थापित करने के लिए प्रेरित किया।'' उन्होंने याद किया कि एक बार नेहरू ने मुखर्जी से कहा था, ''मैं तुम्हें कुचल दूंगा'' जिस पर मुखर्जी ने जवाब दिया था कि ''मैं इस कुचलने वाली मानसिकता को ही कुचल दूंगा।''

प्रधान ने इस बात पर जोर दिया कि भारत अब नक्सलवाद से मुक्त होने के करीब है और अब यह केवल कुछ जिलों तक सीमित है।

कालीगंज में बम विस्फोट में लड़की की मौत

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के कालीगंज में सोमवार को बम विस्फोट में एक लड़की की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पुलिस को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया। यह घटना कालीगंज विधानसभा सीट के उपचुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद हुई। एक अधिकारी ने बताया कि अख्तर शेख नामक एक व्यक्ति को बम विस्फोट में लड़की की मौत में कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार लड़की 13 वर्षीय तमन्ना खातून थी, तथा उसे बम के छर्रे लगे थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह बम विस्फोट दो स्थानीय समूहों के बीच प्रतिद्वंद्विता को लेकर हुआ। 2023 में भी ऐसी ही घटना हुई थी जिसमें हमारा एक अधिकारी घायल हो गया था। लड़की की मौत संभवतः बम के छर्रे लगने से हुई है।

सुविचार

राधा ने कभी कृष्ण से कुछ माँगा नहीं, क्योंकि उनके प्रेम में सब कुछ अपने आप मिल जाता था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सिंधः जबरन धर्मांतरण, एक गंभीर त्रासदी

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में तीन हिंदू बच्चियों और उनके चचेरे भाई पर धर्मांतरण का दबाव डाले जाने की घटना एक गंभीर त्रासदी को बयान करती है। इसने वहां अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के सामने मौजूद असुरक्षा और भेदभाव को उजागर कर दिया है। सोशल मीडिया की ताकत और सामाजिक एकता का नतीजा यह रहा कि पुलिस ने इन्हें मुक्त करा लिया है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक उपेक्षित हैं। उनका जबरन धर्मांतरण कराया जाता है। इस कृत्य को अंजाम देने के लिए कई गिरोह बने हुए हैं। उनके लोग आस-पास के इलाकों में अल्पसंख्यक समुदाय की छोटी बच्चियों को निशाना बनाते हैं। सिंध में जिन चार बच्चों का धर्मांतरण कराया जा रहा था, उनकी उम्र बहुत छोटी है। उन्हें धर्म, आस्था, आध्यात्मिकता, परलोक आदि के बारे में पता ही नहीं होगा। फिर वे धर्मांतरण के लिए अपनी सहमति कैसे दे सकते हैं? स्पष्ट है कि उन पर दबाव डाला जा रहा था। प्राय: ऐसे मामलों में बच्चों को यह धमकी दी जाती है कि 'अगर तुमने मजहब कबूल नहीं किया तो तुम्हारे परिवार की जान खतरे में होगी!' ज्यादातर बच्चे इस धमकी से डर जाते हैं। वे मीडिया और अदालत के सामने बयान दे देते हैं कि उन्होंने अपनी मर्जी से मजहब कबूल किया है। बच्चों के परिजन जानते हैं कि यह बयान दबाव में दिया गया है, लेकिन वे कुछ नहीं कर पाते, क्योंकि पाकिस्तानी मीडिया, पुलिस और अदालतों का झुकाव कट्टरपंथियों की ओर ही होता है। सिंध में धर्मांतरण के एक चर्चित मामले में स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा था कि एक बच्ची के माता-पिता अपनी फरियाद लेकर इस उम्मीद के साथ अदालत में गए थे कि वहां उन्हें इंसाफ मिलेगा, लेकिन न्यायाधीश उनके आंसू देखकर मुस्कुरा रहे थे।

जबरन धर्मांतरण के मामलों को लेकर पाकिस्तान की दुनियाभर में निंदा होने से अब स्थानीय प्रशासन कुछ सतर्क रहने लगा है। वहां अल्पसंख्यक समुदाय के लोग अपने साथ होने वाली ऐसी ज्यादती का मुद्दा सोशल मीडिया पर उठाते हैं। पहले, जहां पुलिस उन्हीं मामलों की ओर ध्यान देती थी, जिनमें पीड़ित संपन्न परिवारों से होते थे। अब ऐसे मामले भी सुर्खियों में आ जाते हैं और पुलिस को सक्रियता दिखानी पड़ती है, जिनमें पीड़ित गरीब परिवारों से होते हैं। यहां भारतवासियों की भूमिका अत्यंत सराहनीय है, जो सोशल मीडिया पर आने वाली ऐसी जानकारी को साझा करते हैं। उन्होंने कई बार अंतरराष्ट्रीय संगठनों से लेकर पाकिस्तानी नेताओं और पुलिस अधिकारियों से तीखे सवाल पूछे हैं। इसका बड़ा असर हुआ है। हालांकि अभी बहुत कुछ करना बाकी है। सिंध में अल्पसंख्यकों के जबरन धर्मांतरण संबंधी गतिविधियां कई दशकों से जारी हैं। इनमें छोटी बच्चियों को निशाना बनाने की बड़ी वजह है। अगर सिंध में हिंदू बच्चियां ही नहीं होंगी तो पूरे समुदाय का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। पाकिस्तान की सरकार, फौज, आईएसआई और कट्टरपंथी जमातें एक साजिश के तहत ऐसा करवा रही हैं, ताकि अगले कुछ वर्षों में सिंध में कोई हिंदू न रहे। केपीके, बलोचिस्तान, पंजाब में थोड़े-से हिंदू रह गए हैं। सिंध में लगभग 49 लाख हिंदू हैं। अगर जबरन धर्मांतरण का सिलसिला यूं ही जारी रहा तो यह तादाद और कम हो सकती है। पाकिस्तान में इन घटनाओं को रोकने के लिए कई सुझाव दिए जाते हैं, जैसे- पुलिस को संवेदनशील एवं निष्पक्ष बनाना, सख्त कानून लागू करना, सहिष्णुता को बढ़ावा देना आदि। सवाल है- ऐसा करेगा कौन? जब पूरा तंत्र ही अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो तो इन सुझावों का कोई महत्त्व नहीं रह जाता है। ऐसे मामलों में बेहतरीन विकल्प यही है कि अपने बच्चों को जागरूक किया जाए, उन्हें गलत इरादा रखने वाले गिरोहों से सावधान किया जाए, सोशल मीडिया पर ऐसा ग्रुप बनाया जाए जो पीड़ित परिवारों की आवाज बुलंद करे, उन्हें कानूनी सहायता दे। भारतवासियों और भारत सरकार, दोनों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाक का पर्दाफाश करना होगा। इससे पाकिस्तान की सरकार, पुलिस और न्यायपालिका पर दबाव पड़ेगा। उन्हें अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए विवश होकर काम करना पड़ेगा।

ट्वीटर टॉक

संवैधानिक विचारक और जनसंघ के संस्थापक परम श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में सम्मिलित होकर श्यामा प्रसाद की राष्ट्रनिष्ठ विचारधारा एवं सिद्धांतों का स्मरण किया।

-दीया कुमारी

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 72वीं पुण्यतिथि पर सभी जगह हमारे कार्यकर्ता उनकी याद में कार्यक्रम कर रहे हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म बंगाल में हुआ और उनका बहुत बड़ा योगदान आजादी में और वर्तमान पश्चिम बंगाल असम को भारत का हिस्सा बनाने में है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्राक्कलन समिति के 75 गौरवशाली वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा यह प्लेटिनम जयंती समारोह हमारी संसद और देश की सभी विधायी संस्थाओं के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर है। यह क्षण न केवल प्राक्कलन समिति की स्वर्णिम विरासत का सम्मान है।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

वाणी की शक्ति

एक राजा था जो अत्यंत कटु वचन बोलता था। वह हर किसी का अपमान करता और कठोर भाषा का प्रयोग करता। दरबार में कोई भी उसकी बातों का प्रतिवाद करने का साहस नहीं करता था। एक दिन राजा ने दरबारियों से कहा, 'कल प्रत्येक व्यक्ति ऐसी वस्तु लेकर आए, जिसे वह संसार में सबसे बुरा समझता हो।' अगले दिन कोई मल-मूत्र लाया, कोई सड़ी-गली वस्तु, कोई कीचड़। लेकिन एक बुद्धिमान दरबारी एक मृत व्यक्ति की जीभ काटकर ले आया। राजा ने आश्चर्य से पूछा, 'इसमें क्या बुराई है?' उस व्यक्ति ने उत्तर दिया, 'महाराज, संसार की अधिकांश बुराइयों की जड़ यही है। तलवार के घाव समय के साथ भर जाते हैं, लेकिन कटु वचनों से लगे घाव जीवनभर पीड़ा देते हैं।' राजा को अपनी कटुता का स्मरण हो आया और वह थोड़े समय के लिए मौन और लज्जित हो गया। कुछ समय बाद राजा ने पुनः दरबारियों से कहा, 'अब प्रत्येक व्यक्ति ऐसी वस्तु लेकर आए, जिसे वह संसार में सबसे श्रेष्ठ मानता हो।' अगले दिन कोई मिठाइयां लाया, कोई घी, कोई फूल। लेकिन वही बुद्धिमान दरबारी फिर एक मृत व्यक्ति की जीभ काटकर ले आया।

सामयिक

आपातकाल : जब संविधान और लोकतंत्र के बदल गए मायने

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

आपातकाल में इंदिरा सरकार ने 48 अध्यादेश जारी किए। मिसा संशोधन अध्यादेश को चार बार और जारी किया गया एवं सांसद द्वारा इसकी स्वीकृति दी गई।रक्षा संशोधन अध्यादेश जारी किया गया जिसके द्वारा सरकार को सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक अधिकार मिले। 3 फरवरी 1977 को एक अध्यादेश प्रधानमंत्री तथा लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव से संबंधित था। हाई कोर्ट में चुनावी याचिका की जगह निपटने के लिए अथॉरिटी बनाई गई थी। सबसे विवादास्पद 42वां संशोधन था जिसने न्यायपालिका की शक्ति को कम कर दिया। इस संशोधन ने संविधान की मूल संरचना को बदल दिया था।

आपातकाल के 50 वर्ष पूरे हो चुके हैं। 25 जून, 1975 की अर्धरात्रि को स्वतंत्रता आंदोलन के महान सपनों, स्वतंत्रता सेनानियों के महान बलिदानों और संविधान निर्माताओं की भारत के लोकतांत्रिक गणराज्य की कल्पनाओं को रौंदते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की सरकार ने राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद से आपातकाल लागू करने के अध्यादेश पर हस्ताक्षर करवाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने इसे संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का निर्णय किया और यह सरकारी गजट में शामिल भी हो गया। कांग्रेस और कुछ पार्टियां आज इसे भाजपा की भाजपा और संघ की राजनीति तथा सत्ता का दुरुपयोग घोषित कर रहीं हैं किंतु वर्तमान राजनीतिक माहौल से परे होकर आपातकाल लागू होने की परिस्थितियों, आपातकाल के दौरान विरोधी कार्यकर्ताओं नेताओं के दमन, उत्पीरण, प्रेस की स्वतंत्रताओं के दमन तथा संविधान के साथ मनमाना छेड़छाड़ आदि को साथ मिलाकर देखें तो यह नामकरण उपयुक्त नजर आएगा। हालांकि यह सामान्य ट्रेजेडी नहीं है कि आज की राजनीति के अनेक चेहरे आपातकाल में जेल जाने वालों या उनके परिजनों के हैं और जिनकी राजनीति में हैसियत इसी कारण है वे कांग्रेस के साथ राजनीति के दबाव में अपनी अंतरात्मा की आवाज के विरुद्ध आपातकाल की आलोचना तक करने को तैयार नहीं है।

तब इंदिरा गांधी और कांग्रेस के नेता और आज उनके समर्थक भी यही कहते हैं कि आपातकाल संविधान की धाराओं के तहत ही लगाया गया था। निस्संदेह,देश संविधान की धारा 352 में आंतरिक आपातकाल की व्यवस्था थी। किंतु संविधान सभा में हुई बहस और उस धारा को ठीक से देखें तो स्पष्ट हो जाएगा कि इंदिरा जी की सत्ता को कायम रखने, उनकी चाहत के आधार पर देश चलाने तथा किसी भी विरोधी आवाज के सामने न आने की तानाशाही और हिटलरवादी सोच के तहत ही आपातकाल लागू किया गया।

आखिर आपातकाल के पीछे कारण क्या थे? इसका तात्कालिक और मूल कारण 12 जून, 1975 का इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश जगमोहन लाल सिंह का इंदिरा गांधी के रायबरेली से निर्वाचन को अवैध करार देने का आदेश था। 1971 के आम चुनाव में रायबरेली क्षेत्र से पराजित विपक्ष के नेता राजनारायण ने चुनाव में धांधली तथा सरकारी मशीनरी के व्यापक दुरुपयोग का मामला दर्ज कराते हुए चुनाव परिणाम रद्द करने की अपील की थी। न्यायालय ने इंदिरा जी को इसका दोषी पाते हुए न केवल अयोग्य घोषित कर दिया बल्कि 6 साल के लिए उनके चुनाव लड़ने पर भी रोक लगा दी। इसके बाद न वह संसद की कार्यवाही में भाग ले सकती थी और न प्रधानमंत्री के रूप में भूमिका निभा सकती थी। समान लोकतांत्रिक व्यवस्था में उच्चतम न्यायालय में अपील से अगर इस आदेश को स्थगन नहीं मिलता तो उन्हें त्यागपत्र देना चाहिए था। इंदिरा जी और तत्कालीन कांग्रेस पार्टी ने इसके विपरीत पूरे संविधान की हत्या करते हुए हर हाल में प्रधानमंत्री बने रहने के उपाय शुरू किया। न्यायालय के फैसले के विरुद्ध 20 जून को शक्ति प्रदर्शन के लिए कांग्रेस ने इंदिरा गांधी के समर्थन में दिल्ली में एक बड़ी रैली की। इसमें पहली बार इंदिरा गांधी के साथ पूरा परिवार उपस्थित था और उन्होंने देश की सेवा में अपने साथ परिवार का नाम लिया। प्रकारांतर से वे समर्थकों को यही कह रही थी कि देश और हमारा परिवार एक दूसरे के पर्याय हैं और हमें ही सत्ता के हमारे अधिकार से वंचित किया जा रहा है। उस दिन की सभा में कांग्रेसी नेताओं ने भी चाटुकारिता की सारी सीमाएं लांघ दी। आप नेताओं के भाषण देख लीजिए भारत , संविधान, लोकतंत्र इन सबके ऊपर इंदिरा गांधी और इन सबका मतलब इंदिरा गांधी घोषित कर दिया गया।

तब देश की पूरी तस्वीर को देखें तो भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद और सत्ता की लंपटयी एवं शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त दोषों के विरुद्ध आंदोलन और हड़ताल चल रहे थे। लोगों में आक्रोश था। आर्थिक स्थिति अत्यंत खराब थी। भ्रष्टाचार के विरुद्ध गुजरात के छात्रों ने 'नवनिर्माण आंदोलन' प्रारंभ किया था। उनकी मांग थी, 'भ्रष्ट चिमन पटेल की सरकार को बर्खास्त किया जाए'। जन आक्रोश के सामने सरकार नहीं टिक सकी, गुजरात विधानसभा बर्खास्त हुई , चुनाव में जनसंघ, संगठन कांग्रेस, प्रजा सोशलिस्ट पार्टी जैसे दलो के 'जनता मोर्चा' 182 सदस्यों की विधानसभा में 86 पर विजय प्राप्त की तथा आठ निर्दलीयों का उन्हें समर्थन मिला। बाबू भाई पटेल के नेतृत्व में जनता मोर्चा की सरकार का गठन इंदिरा जी के लिए सहन करना संभव नहीं था। बिहार में भी इसी तरह आंदोलन चल रहा था। छात्रों के आग्रह पर जयप्रकाश जी ने इसका नेतृत्व संभाला। इसी पृष्ठभूमि में 12 जून को इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला आया था।

25 जून को रामलीला मैदान में विपक्ष की पहली ऐसी रैली हुई जिसमें देश भर से बड़ी संख्या में जन समूह उमड़ा। एक स्वर से इंदिरा गांधी के त्यागपत्र की मांग की गयी। इस तरह का दृश्य इसके पूर्व कभी देखा नहीं गया था। 29 जून से आंदोलन करने की घोषणा की गई तथा जयप्रकाशजी ने पुलिस सहित सुरक्षा बलों से सरकार की बात न मानने की अपील की क्योंकि उनके अनुसार न्यायालय के फैसले के बाद इंदिरा गांधी का सत्ता से संवैधानिक और नैतिक अधिकार समाप्त हो चुका था। जितनी जानकारी है उसके अनुसार इंदिरा गांधी अपने मित्र सिद्धार्थ शंकर रे के साथ राष्ट्रपति भवन पहुंची और राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद को समझाया तथा उन्होंने एक कांग्रेसी के रूप में रात 11.45 बजे आपातकाल के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिया। आपातकाल लागू होते ही संविधान के अनुच्छेद 14 और 19 के अंतर्गत सभी भारतीयों को प्राप्त मौलिक अधिकार समाप्त हो गए। मीसा या मेंटेनेंस ऑफ इंटरनल सिक्योरिटी एक्ट अर्थात आंतरिक सुरक्षा अधिनियम एकमात्र कानून हो गया जिसके तहत पुलिस और प्रशासन काम करने लगा। इतिहास पढ़ेंगे तो उसके 42 वर्ष पहले ठीक इसी तरह जर्मनी में हिटलर ने तत्कालीन चांसलर पॉल वॉल हिंडेनबर्ग से 28 फरवरी 1933 को एक अध्यादेश पर हस्ताक्षर करवा जर्मनी के नागरिकों के सारे मुलभूत अधिकारों को समाप्त कर दिया गया था। प्रत्यक्ष दिखते विरोधी नेता ही नहीं गांव से शहरों तक जिन पर भी विरोधी होने का संदेह आता उनके लिए क्रूरता का पहाड़ टूट पड़ता। जयप्रकाश जी सहित सारे विरोधी नेता जहां जिस शहर में थे वही गिरफ्तार कर जेल में डाल दिए गए। दूसरे संगठनों के नेताओं के साथ भी ऐसा ही होने लगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहित 26 संगठन हालांकि 4 जुलाई को प्रतिबंधित हुए लेकिन उनके कार्यकर्ताओं नेताओं की गिरफ्तारी पहले ही शुरू हो गई थी। 26 जून को संघ के सरसंघचालक बालासाहब देवरस को नागपुर से गिरफ्तार किया गया। आज अपने वैचारिक विरोध में अनेक लोग आपातकाल में संघ द्वारा इंदिरा का साथ देने का शर्मनाक आरोप लगाते हैं जबकि खुफिया रिपोर्ट थी कि संघ के प्रचारक और कार्यकर्ता इंदिरा विरोधी आंदोलन को हवा दे रहे हैं। शुरू के दिनों में ही लगभग 50 हजार संघ के प्रचारक और स्वयंसेवक गिरफ्तार हुए।

आपातकाल में इंदिरा सरकार ने 48 अध्यादेश जारी किए। मिसा संशोधन अध्यादेश को चार बार और जारी किया गया एवं सांसद द्वारा इसकी स्वीकृति दी गई।रक्षा संशोधन अध्यादेश जारी किया गया जिसके द्वारा सरकार को सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक अधिकार मिले। 3 फरवरी 1977 को एक अध्यादेश प्रधानमंत्री तथा लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव से संबंधित था। हाई कोर्ट में चुनावी याचिका की जगह निपटने के लिए अथॉरिटी बनाई गई थी। सबसे विवादास्पद 42वां संशोधन था जिसने न्यायपालिका की शक्ति को कम कर दिया। इस संशोधन ने संविधान की मूल संरचना को बदल दिया था। संविधान की प्रस्तावना को बदलकर समाजवादी, सेक्युलर और अखंडता शब्दों शामिल हुआ। अंग्रेजों के बाद पहली बार प्रेस यानी समाचार पत्र ,पत्रिकाएं और पत्रकार इस तरह सेंसरशिप और कानूनी दमन के शिकार हुए। इन सबको कोई संविधान की निर्मम हत्या की बजाय और क्या नाम दे सकता है?

25 जून, 1975 से 21 मार्च 1977 तक पूरे 21 माह तक देश का संविधान, न्यायालय सब ताक पर तथा एक नेताज्ञऔर उनके लोगों के शब्द ही संविधान, कानून और परंपराएं बन गई। दिन रात संविधान बचाओ की रट लगाने वाले लोग जर दिल पर हाथ रखकर सोचें उसके पहले या उसके बाद ऐसा कोई अवसर आया जब संपूर्ण देश में निर्दोष, निरपराध नेताओं -कार्यकर्ताओं,आम लोगों को जेल में या जेल के बाहर भूमिगत होकर 24 घंटे पुलिस प्रशासन के उत्पीड़न के भय में जीना पड़ा हो? जिनकी गिरफ्तारियां हुईं उनके परिवार के साथ क्या बीती इसकी कहानियों से रोंगटे खड़े हो जाते हैं। पूरा पुलिस प्रशासन कांग्रेस कार्यकर्ता की तरह जब काम कर रहा था तो फिर लोगों पर क्या बीती होगी इसकी कल्पना की जा सकती है।

नजरिया

प्लास्टिक : पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

मोबाइल : 7379100261

जुलाई की 3 तारीख अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस के रूप में मान्य है। इसका उद्देश्य प्लास्टिक प्रदूषण के सम्बन्ध में जागरूकता बढ़ाना है। इसके जरिए हम लोगों को प्लास्टिक के उपयोग को कम करके पर्यावरण की क्षति को बचाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। मजे की बात यह है कि शुरू में प्लास्टिक अत्यन्त पर्यावरण हितैषी और मानव के लिए वरदान समझा गया था। इंग्लैंड के अलेक्जेंडर पार्क्स ने इसे लंदन की सन 1862 की महान 'अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी' में प्रदर्शित किया था। उनके संदेश के अनुसार, यह आविष्कार भविष्य में मनुष्य और पर्यावरण के लिए बहुत उपयोगी होने की संभावना से भरा था। तब यह एक कार्बनिक पदार्थ सेल्यूलोस था। इससे विभिन्न आकर के हल्के, मजबूत और रंग-बिरंगे आकर्षक कंटेनर बन सकते थे। किन्तु यह मंहगा था, इसलिए प्रचलन में न आ पाया। मगर अलेक्जेंडर के संदेश से लोगों के मन में यह बात तो बैठ ही गई कि अगर इस किस्म का कोई सस्ता उत्पाद सामने आ जाये, तो वह दुनिया के लिए बरदान हो सकता है।

वास्तव में उन दिनों कीमती सामानों की पैकेजिंग के लिए मोटे गत्तों का उपयोग होता था। सस्ती वस्तुओं और फलों-सब्जियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए लकड़ी के डिब्बे काम में लाए जाते थे। गत्ते बनने की लुगदी और लकड़ी के डिब्बों के लिए बहुतायत पेड़ों को काटना पड़ता था। लकड़ी के लट्ठों से लुगदी और लुगदी से गत्ता बनने की रासायनिक प्रक्रिया खर्चीली थी, लिहाजा गत्ते महंगे पड़ते थे। लकड़ी की पेटियाँ और डिब्बे वजनदार होते थे। तिस पर अंधाधुंध पेड़ों का कटना पर्यावरण की दृष्टि से गलत था। इसलिए उत्पादक इकाइयों, व्यवसाइयों और ट्रांसपोर्टरों को सस्ते और हल्के विकल्प की तलाश थी।

सन 1907 में लिओ बेकमैन ने पूरी तरह सिंथेटिक प्लास्टिक बना डाला। इसी के आधार पर लिओ हेंडिक बैकलित ने बाद में सस्ता पालिमर प्लास्टिक बनाया था। यह सीलनरोधी, हल्का और विद्युतरोधी तो था ही, कुछ हद तक कंपन और गर्मी का भी अवरोधक कहा गया था। इस पालिमर के डिब्बे और गत्ते उत्पादक, आपूर्तिकर्ता और व्यवसायियों ने हाथों हाथ लिये। इन डिब्बों के प्रयोग से धरती के वृक्ष कटने से बचने लगे थे। इसलिए पर्यावरणविदों ने इसे इको फ्रेंडली' यानी पर्यावरण-मित्र माना था। सिंगल यूज प्लास्टिक के चलन का दौर शुरू हुआ तो बड़ी जल्दी उसके नकारात्मक प्रभाव सामने आने लगे। आज गृह उपयोगी वस्तुओं, रंग-बिरंगे कैरी बैग, कृषि, वाहन, परिवहन जैसे तमाम क्षेत्रों में प्लास्टिक का वर्चस्व है। यह हमारे जीवन में गहरी पैठ बना चुका है, हम चाहकर भी इससे पीछा नहीं छुड़ा सकते। दैनिक उपयोग के बर्तन, जल परिचालन, दवा की सीसी, दवा के पत्ते, फर्नीचर, पानी की टंकी, बिस्कुट-टॉफी के रैपर, नमकीन के पैकेट और गुटखे के पाउच, स्टिकर, होर्डिंग्ज यानी जमीन से आसमान तक प्लास्टिक ही प्लास्टिक! यहाँ तक कि मनुष्य का जो कृत्रिम हृदय वैज्ञानिकों ने बनाया है, वह भी प्लास्टिक का है।

हमारी स्थानीय जल संचयन की संरचनाएं तालाब, नाला और नदियां प्लास्टिक कचरे से भरी पड़ी हैं। सीवरेज लाइन से भी ढेरों प्लास्टिक कचरा नदियों में मिलता है और फिर उसके माध्यम से समुद्र में पहुँच जाता है। एक आकलन के अनुसार, प्रतिवर्ष करीब 12.7 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा समुद्र में पहुँच रहा है और छोटे समुद्री जीवों के लिए खतरा बन रहा है। जलीय जीव नासमझी में प्लास्टिक की पन्नियों या पैकेजिंग मटेरियल को खाकर या इसमे फँसकर मर जाते हैं। प्रवाल भित्तियों और सबसे छोटे जीव प्लवक प्लास्टिक कचरे के कारण समाप्त हो रहे हैं। समुद्र में प्लास्टिक का प्रदूषण में बड़ा खतरा बनकर सामने आएगा।

प्लास्टिक आज मानवता के लिए बड़ा भस्मासुर बन चुका है। उपयोग के बाद या टूटने-फूटने पर इसे फेंक दिया जाता है, तो पर्यावरण के लिए इसकी विनाशलीला शुरू हो जाती है। जल, थल और वायु के बीच प्लास्टिक के अपघटन की प्रक्रिया अत्यन्त धीमी होती है। पाँच से दस साल बाद ही इसका अपक्षयन शुरू होता है और पाँच सौ साल तक जारी रहता है। इसमें क्लोरीन, कार्बन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन, सल्फर वगैरह के अणु होते हैं, अपघटन की क्रिया में यह सीधे वायु, जल और भूमि को प्रदूषित करते हैं। इसे जलाकर नष्ट करना तो और भी घातक है, इसमें मौजूद फॉस्जीन और फार्मेल्डी हाइट जैसे गैसीय रूप जलने की क्रिया में वायु मण्डल में एकीकृत होकर हमारे स्वसन तंत्र और त्वचा के लिए घातक बनते हैं। दहन की क्रिया में यह क्लोरो-फ़्लोरो कार्बन का उत्सर्जन करता है, जो वायु मण्डल की ओज़ोन परत के लिए क्षतिकारक है।

प्लास्टिक की पन्नियाँ पानी के साथ बहकर जल निकासी को चोक कर देती हैं, जिससे बरसात में जलभराव की समस्या सामने आती है। जिसके कारण सड़कों, यहाँ तक कि कभी कभी घरों में भी पानी भरने लगता है। जल भराव से सामान्य जीवन की गतिविधियां प्रभावित होती हैं। जल भराव पेयजल को दूषित कर देता है, जिससे जलजनित रोग फैलते हैं। धरती पर पड़ा प्लास्टिक भूजल शोषण की स्वभाविक प्रक्रिया पर प्रतिकूल असर डालता है। यह भूतल की उर्वरा शक्ति को क्षीण करके धरती को बंजर बनाता है। प्लास्टिक के सूक्ष्म कण मृदा के साथ मिलकर खाद्य श्रृंखला को दूषित कर देते हैं।

यह खतरा हमारे सामने आ चुका है। पिछले दशकों के बीच माइक्रो प्लास्टिक भोजन की राह से हमारे खून और मस्तिष्क तक पहुँच चुका है। हमारे शहरों के आसपास प्लास्टिक कचरों के पहाड़ खड़े हैं। इस कचरे के निपटान के लिए सरकार के स्तर पर भी प्रयास जारी है। कारखानों में प्लास्टिक अपशिष्ट को सुरक्षा के मानकों के अनुरूप वैकल्पिक ईंधन के रूप में उपयोग करके इसके निष्पादन का सिलसिला आरम्भ हो चुका है। सड़क निर्माण और टाइल्स जैसी चीजों में भी प्लास्टिक का उपयोग होने लगा है। दूरवर्ती निर्जन स्थानों में गड्ढा खोदकर प्लास्टिक कचरे को दफनाने का विकल्प भी आजमाया जा रहा है।

सबसे अधिक दिक्कत 120 माइक्रोन से कम बारीक प्लास्टिक से है। इसलिए 1 जुलाई 2022 को ऐसे 19 प्लास्टिक वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसमें मुख्यतया कप, प्लेट, गिलास, मिठाई के डिब्बों पर लपेटी जाने वाली पन्नी, झंडे, आइसक्रीम स्टिक, कंडी स्टिक आदि हैं। इसके साथ चिप्स, शैंपू, गुटखे के पाउच जैसी छोटी पन्नियों पर भी रोक लगनी चाहिए। क्योंकि इन्हें रीसाइक्लिंग के लिए एकत्र नहीं किया जा सकता है। प्लास्टिक ने जिन परम्परागत संसाधनों दोना, पत्तल, मिट्टी के कुल्हड़, अखबार के ठोंगे, जूट के थैलों को चलन से बाहर करके अपनी जगह बनाई है, उनकी तरफ हमारी वापसी जरूरी है। हम सचेत होंगे और सिंगल यूज पॉलिथीन को नकारेंगे तो एक महौल बनेगा। कम से कम इस सम्बन्ध में बायोडिग्रेडिबल प्लास्टिक के विकल्प पर विचार किया जाना चाहिए। बिगड़ती हवा, प्रदूषित जल और मिट्टी की चुनौती का सामना ग्रीन उत्पादों से ही किया जा सकता है।

प्लास्टिक के निपटान का सबसे सुरक्षित तरीका पुनर्चक्रण ही है। यह महंगा जरूर है, लेकिन प्लास्टिक के यूं ही पड़े रहने से जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को क्षति होती है, उसे देखते हुए इस महंगाई को स्वीकार किया जाना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रधानमंत्री का बहुआयामी व्यक्तित्व, वैश्विक मंच पर भारत के लिए अहम पूंजी : थरूर

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऊर्जा, उनका बहुआयामी व्यक्तित्व और संवाद की तत्परता वैश्विक मंच पर भारत के लिए एक ''अहम पूंजी'' बनी हुई है, लेकिन इसे अधिक सहयोग एवं समर्थन की जरूरत है।

उनकी यह टिप्पणी एक बार फिर कांग्रेस को असहज स्थिति में डाल सकती है तथा पार्टी नेतृत्व के साथ उनके संबंधों में दरार और गहरी हो सकती है।

प्रधानमंत्री के लिए थरूर की प्रशंसा ऐसे समय आई है जब कांग्रेस विदेश नीति को लेकर मोदी सरकार पर निरंतर हमले कर रही है और आरोप लगा रही है कि भारतीय कूटनीति चरमरा गई है और देश विश्व स्तर पर ''अलग-थलग'' पड़ गया है।

थरूर ने अंग्रेजी दैनिक 'द हिंदू' के लिए लिखे एक लेख में कहा कि ''ऑपरेशन सिंदूर'' के बाद किया गया राजनयिक संपर्क राष्ट्रीय संकल्प और प्रभावी संवाद का क्षण था। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर थरूर के इस लेख को साझा किया और कहा, लोकसभा सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. शशि थरूर लिखते हैं: ''ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित वैश्विक पहुंच से सबक।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने थरूर द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करने को लेकर कांग्रेस पर कटाक्ष किया और कहा कि तिरुवनंतपुरम से सांसद ने राहुल गांधी को ''बेनकाब'' कर दिया है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''शशि थरूर ने स्वीकार किया है कि प्रधानमंत्री मोदी का बहुआयामी व्यक्तित्व और वैश्विक पहुंच भारत के लिए रणनीतिक रूप से लाभकारी है।'' भंडारी ने कहा, ''शशि थरूर ने राहुल गांधी को बेनकाब कर दिया है।'' लेख में थरूर ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऊर्जा, उनका बहुआयामी व्यक्तित्व और संवाद की तत्परता वैश्विक मंच पर भारत के लिए एक अहम पूंजी बनी हुई है, लेकिन इसे अधिक समर्थन की आवश्यकता है। पहलगाम आतंकी हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' सैन्य अभियान के बाद भारत के रुख से अवगत कराने के लिए अमेरिका और चार अन्य देशों में गए बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख थरूर ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर के बाद राजनयिक संपर्क राष्ट्रीय संकल्प और प्रभावी संवाद का क्षण था। इसने इस बात पुष्टि की है कि भारत एकजुट होने पर अपनी आवाज स्पष्टता और दृढ़ विश्वास के साथ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रख सकता है।'

दौरा

भारतीय नौसेना की पश्चिमी नौसेना कमान का एक फ्रंटलाइन स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस तेग सोमवार को अपनी परिचालन तैनाती के हिस्से के रूप में मॉरीशस के पोर्ट लुइस में अपना बंदरगाह दौरा समाप्त करेगा।

पुतिन ने अरागची को दिलाया भरोसा, ईरान-इजराइल तनाव को कम करने में रूस करेगा मदद

मॉस्को/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को ईरान को भरोसा दिलाया कि उनका देश इजराइल और ईरान के बीच तनाव घटाने में मदद करेगा। रूसी राष्ट्रपति का यह बयान रविवार सुबह ईरानी परमाणु स्थलों पर अमेरिका द्वारा हमले किये जाने के बाद आया है।

पुतिन ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची से मुलाकात की, जो रूसी नेतृत्व के साथ विचार-विमर्श के लिए रविवार रात मॉस्को पहुंचे थे और यह उम्मीद की जा रही कि अरागची ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का पत्र पुतिन को देंगे। पुतिन ने टेलीविजन पर प्रसारित, बैठक के शुरुआती संबोधन में कहा कि अरागची ऐसे समय में रूस का दौरा कर रहे हैं, जब ''क्षेत्र में और आपके देश के आसपास'' स्थिति बहुत बिगड़ गई है। उन्होंने ईरान-इजराइल संघर्ष पर मॉस्को के रुख को दोहराया।

रूस के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी हमलों की कड़ी निंदा की है और कहा कि ईरान सुरक्षा परिषद और संयुक्त राष्ट्र में मॉस्को के रुख से अवगत है। पुतिन ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर ईरान के प्रमुख परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले किये गए हैं। उन्होंने कहा, ''यह ईरान के खिलाफ पूरी तरह से अकारण किया गया आक्रमण है, जिसका कोई आधार या औचित्य नहीं है।'' रूसी राष्ट्रपति ने अरागची से कहा, ''ईरान के साथ हमारे दीर्घकालिक, अच्छे और विश्वसनीय संबंध हैं। हम अपनी ओर से ईरानी लोगों की मदद करने का प्रयास कर रहे हैं।''

रूस और ईरान ने रणनीतिक साझेदारी संधि पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन इसमें किसी भी पक्ष पर हमला होने की स्थिति में सैन्य सहायता का प्रावधान नहीं है। हालांकि, संधि के तहत ईरान और रूस का दायित्व है कि वे हमलावर का पक्ष न लें और स्थिति को ठीक करने के लिए तत्काल राजनीतिक बातचीत में शामिल हों।

यह पूछे जाने पर कि रूस, ईरान को किस प्रकार का समर्थन और सहायता दे सकता है, तो क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बीच रूस, ईरान को विभिन्न प्रकार की सहायता दे सकता है।

मुलाकात

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आचार्य हंसरत्नसूरीश्वरजी महाराज, आचार्य तत्वदर्शनसूरीश्वरजी महाराज, गणिवर्य मुनिश्री धर्मध्यानविजय महाराज, मुनिश्री कश्यपरत्न महाराज, मुनिश्री वर्षिदानविजय महाराज, और मुनिश्री हृदयरत्नविजय महाराज, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में मुलाकात करते हुए इस अवसर पर भाजपा सांसद परवेश साहिब सिंह भी मौजूद थे।

कनिष्क हादसा याद दिलाता है कि आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति क्यों अपनानी चाहिए : जयशंकर

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एअर इंडिया 182 'कनिष्क' विमान में बम विस्फोट में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि देते हुए सोमवार को कहा कि यह ''आतंकवाद के सबसे बुरे कृत्यों में से एक'' था और यह इसका कठोर अनुस्मारक है कि दुनिया को आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ के प्रति बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करने की नीति क्यों अपनानी चाहिए।

मॉन्ट्रियल-नई दिल्ली की एअर इंडिया 'कनिष्क' उड़ान संख्या 182 में 23 जून 1985 को लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतरने से 45 मिनट पहले विस्फोट हो गया था, जिससे विमान में सवार सभी 329 व्यक्ति मारे गए थे। इनमें से अधिकतर भारतीय मूल के कनाडाई थे। जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''एअर इंडिया 182 'कनिष्क' बम विस्फोट की 40वीं बरसी पर, हम आतंकवाद के सबसे बुरे कृत्यों में से एक में जान गंवाने वाले 329 लोगों को याद करते हैं। यह एक कठोर अनुस्मारक है कि दुनिया को आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ के प्रति बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करने की नीति क्यों अपनानी चाहिए।'' विमान के यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के परिजन हर वर्ष पीड़ितों के लिए बनाए गए विभिन्न स्मारकों पर एकत्रित होते हैं। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि उन्होंने आयरलैंड के कॉर्क में अहाकिस्ता स्मारक पर कनिष्क बम विस्फोट पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने इस दौरान अपने संबोधन के दृश्य भी साझा किए। उन्होंने कहा, ''आयरलैंड के कॉर्क में अहाकिस्ता स्मारक पर एअर इंडिया कनिष्क विमान में हुए बम विस्फोट के पीड़ितों को आयरिश प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन, कनाडाई लोक सुरक्षा मंत्री गैरी आनंदसांगरी और भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की।'' उन्होंने एक दिन पहले 'एक्स' पर पोस्ट किया था कि वह ब्रिटेन के हीथ्रो से कॉर्क जा रहे हैं और अहाकिस्ता स्मारक पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।, ''हीथ्रो से कॉर्क के रास्ते में... 1985 में एअर इंडिया कनिष्क उड़ान 182 में बीच रास्ते में किया गया नृशंस बम विस्फोट विमानन इतिहास में आतंक के सबसे अमानवीय कृत्यों में से एक है, जिसमें आयरलैंड तट पर 329 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी।'''मैंने सितंबर 2019 में टोरंटो के हंबर बे पार्क में कनिष्क स्मारक पर पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी थी।

'सैयारा' का गाना 'हमसफर' आज होगा रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) और मोहित सूरी की आगामी रोमांटिक फिल्म सैयारा का चौथा गाना हमसफर कल रिलीज होगा। फिल्म सैयारा के अब तक रिलीज हुए तीन गाने टाइटल ट्रैक सैयारा,जुबिन नौटियाल का बर्बाद और विशाल मिश्रा का तुम हो तो ,सभी को दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया है और ये गाने हिट हो चुके हैं। अब, इस एल्बम का चौथा गाना हमसफर भी रिलीज के लिए तैयार है,जिसे लोकप्रिय संगीतकार जोड़ी सचेत-परंपरा ने गाया है। यह गाना एक बार फिर रोमांस की दुनिया में डूबने का मौका देगा, और इसका थीम है: प्यार सही मायनों में तभी असर करता है जब साथ सही हो। यह गाना मोहित सूरी और साचेत-परंपरा की पहली साझेदारी है, और इसी कारण इस गाने को लेकर उम्मीदें बहुत ऊंची हैं। गाने की रिलीज से पहले, वाईआरएफ ने फिल्म के मुख्य कलाकार अहान पांडे और अनीत पड्डा की एक नई तस्वीर साझा की है, जो हमसफ़र गाने से ली गई है।

यह तस्वीर फिल्म में उनके रोमांटिक सफ़र की एक झलक देती है, और साथ ही उनके बीच की जबरदस्त केमिस्ट्री और दिलचस्प प्रेम कहानी को भी उजागर करती है। फिल्म सैयारा के ज़रिए अहान पांडे बॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं और उनके साथ लीड रोल में हैं अनीत पड्डा, जिन्हें सीरीज़ बिग गर्ल्स डोंट क्राई में बेहतरीन अभिनय के लिए सराहना मिली थी। सैयारा का निर्माण वाईआरएफ के सीईओ अक्षय विधानी ने किया है । यह फिल्म 18 जुलाई, को विश्वभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'आंखों की गुस्ताखियां' के टाइटल ट्रैक में शनाया कपूर ने चुराया सबका दिल!

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शनाया कपूर ने अपनी आने वाली फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' के टाइटल ट्रैक में सबका दिल चुरा लिया। बॉलीवुड अभिनेता संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से बॉलीवुड में बतौर अभिनेत्री अपनी शुरुआत कर रही है। इस फिल्म में वह विक्रांत मैसी के साथ नजर आयेंगी। इस फिल्म का टाइटल ट्रैक जैसे ही रिलीज़ हुआ, सोशल मीडिया पर मानो एक सुरीला तूफ़ान आ गया। जुबिन नौटियाल की आवाज़ और विशाल मिश्रा की धुन तो पहले ही जादू कर रही थी,लेकिन जो सबसे ज़्यादा छा गई, वो थीं शनाया कपूर, जिनकी आंखों ने शब्दों से ज़्यादा कह दिया। इस फिल्म में शनाया बनी हैं सबा, एक नेत्रहीन लड़की जो पहली

मोहब्बत की मीठी-बेचैन गलियों में भटक रही है। इस गाने में वो हर फ्रेम में ऐसे चमकती हैं जैसे बारिश में धूप की किरण। ना कोई बड़ा डायलॉग, ना कोई ड्रामा, बस उनकी अदाओं में, उनके इशारों में, और उनके एक्सप्रेशन्स में है सारा जादू। शनाया और विक्रांत मैसी की केमिस्ट्री मानो किसी पुराने लव लेटर की तरह दिल को छू जाती है। थोड़ी शरारत, थोड़ी तड़प और बहुत सारा एहसास। इस गाने में शनाया की परफॉर्मेंस देखकर लगता नहीं कि ये उनके करियर की शुरुआत है।

सबा के किरदार को उन्होंने बड़े ही नाज़ुक और समझदार अंदाज़ में निभाया है। बिना बोले भी उनके एक्सप्रेशन्स बोलते हैं। ज़ी स्टूडियोज और मिनी फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' को मानसी बागला, वरुण बागला और ओपन विंडो फिल्म्स ने को प्रोड्यूस किया है। निर्देशन संतोष सिंह का है और कहानी मानसी बागला ने लिखी और रची है। विक्रांत मैसी और शनाया कपूर अभिनीत यह रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

वीर हनुमान में रानी कैकयी का किरदार निभाने के लिये उत्साहित थी हुनर हाली गांधी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री हुनर हाली गांधी का कहना वह सोनी सब के पौराणिक धारावाहिक 'वीर हनुमान' में रानी कैकेयी की भूमिका निभाने को लेकर उत्साहित थी। 'वीर हनुमान' में रानी कैकेयी की भूमिका निभा रहीं हुनर हाली गांधी को उनकी प्रभावशाली और भावनात्मक प्रस्तुति के लिए दर्शकों से भरपूर सराहना मिल रही है। अपने अभिनय में संवेदनशीलता और गरिमा लाने के लिए जानी जाने वाली हुनर ने इस किरदार को एक नई गहराई दी है।

हुनर ने बताया कि जब उन्हें रानी कैकेयी की भूमिका का प्रस्ताव मिला तो वह बेहद उत्साहित थी। उन्होंने कहा चार साल पहले देवी रुक्मिणी का किरदार निभाने के बाद से वह पौराणिक शैली में वापसी की उम्मीद कर रही थी, और 'वीर हनुमान' में रानी कैकेयी का किरदार उनके लिये बिल्कुल सही समय पर आया। काम का माहौल बहुत सहयोगात्मक और पेशेवर है। यह

किसी खास यात्रा का हिस्सा बनने जैसा अनुभव है। यह किरदार बारीकियों से भरा है। भारी गहने, विग, मुकुट और विस्तृत परिधान पहनकर गर्मी में शूट करना शारीरिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। फिर भी मैं ये सब मुस्कान के साथ करती हूं, क्योंकि असली इनाम दर्शकों की भावनात्मक प्रतिक्रिया है। जब लोग आपके किरदार से जुड़ते हैं, तो सारी मेहनत सार्थक लगती है।

हुनर ने बताया, पौराणिक किरदारों में ठहराव, गरिमा और वाणी एवं भाव-भंगिमा में शुद्धता की आवश्यकता होती है। कैकेयी एक योद्धा रानी थीं, इसलिए फिटनेस और आत्म-नियंत्रण बेहद जरूरी था। मैंने उनके भावनात्मक पक्ष पर विशेष ध्यान दिया। उनकी भक्ति, रामजी के प्रति प्रेम, और उनके भीतर का द्वंद्व। लोग कैकेयी को अक्सर एक ही निर्णय से आंकते हैं, लेकिन वह सिर्फ एक पक्ष है। वह एक साहसी और स्नेही मां भी थीं। खुद मां न होने के बावजूद भगवान राम की मां की भूमिका निभाना मेरे लिए भावनात्मक रूप से बहुत संतोषजनक रहा। यही तो अभिनय की खूबसूरती है। यह आपको वह अनुभव जीने का मौका देता है जो शायद असल जीवन में न मिले। कैकेयी की वेशभूषा और आभा ने पहले दिन से मुझे आत्मविश्वास और जुड़ाव का एहसास दिलाया। 'वीर हनुमान' हर सोमवार से शनिवार, रात 7:30 बजे, सिर्फ सोनी सब पर प्रसारित होता है।

'गैंग्स ऑफ वासेपुर' की शूटिंग थी मुश्किल : ऋचा चड्ढा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने कहा है कि अनुराग कश्यप की 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' की शूटिंग काफी मुश्किल थी। यह फिल्म, अब एक मशहूर क्लासिक बन चुकी है और रविवार को अपने 13 साल पूरे कर चुकी है। ऋचा ने अपने इंस्टाग्राम पर गैंगस्टर ड्रामा से पर्दे के पीछे की कुछ झलकियां साझा कीं। तस्वीरों के साथ, उन्होंने 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के पुराने होने के बारे में एक भावुक नोट भी लिखा। ऋचा ने लिखा, 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' को 13 साल मुबारक! तुम आज भी शानदार हो। काश, मैं दुनिया के लिए भी यह कह पाती। आज के समय में तुम जैसी फिल्म शायद न बन पाए। कौन जोखिम लेगा दो हिस्सों वाली इतनी बड़ी कहानी बनाने का, जो अवैध कोयला खनन की पृष्ठभूमि में पीढ़ियों की हिंसा दिखाए? खुशी है कि तुम हो! तुमसे प्यार है। सोहिल शाह और पूरी टीम को प्यार, यह फिल्म बनाना आसान नहीं था।

इससे पहले मनोज बाजपेयी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'गैंग्स

ऑफ वासेपुर' के कुछ दमदार दृश्यों का एक वीडियो संकलन पोस्ट किया था। बाजपेयी ने कहा कि यह फिल्म हमेशा के लिए भारतीय पंथ सिनेमा को आकार देने के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने लिखा, हजरत, हजरत, हजरत! 13 साल पहले, 'वासेपुर' ने भारतीय सिनेमा को फिर से परिभाषित किया।

कोयला, अपराध और पंथ संवादों की एक गाथा जो अभी भी स्क्रीन और सड़कों पर गूंजती है। एक प्रोजेक्ट से अधिक, यह इतिहास का एक क्षण बन गया, जिसने भारतीय पंथ सिनेमा को हमेशा के लिए आकार दिया। ऋचा और बाजपेयी के साथ फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी, पंकज त्रिपाठी, जयदीप अहलावत, हुमा कुरेशी, पीयूष मिश्रा और तिग्मांशु धूलिया सहित कई प्रतिभाशाली कलाकार हैं। 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' धनबाद के कोयला माफिया (माफिया राज) के सत्ता संघर्ष और अपराधी परिवारों के बीच टकराव की कहानी है। इसका पहला भाग 22 जून 2012 को जारी किया गया था और दूसरा भाग 8 अगस्त 2012 को जारी किया गया था। पिछले कुछ वर्षों में 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' ने दर्शकों के बीच एक पंथ का दर्जा हासिल कर लिया है।

रिलीज हुई फ़िल्म 'जन नायकन' की पहली झलक

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्म स्टार थलापथी विजय के जन्मदिन पर उनकी अंतिम फ़िल्म 'जन नायकन' की पहली झलक रिलीज कर दी गयी है। थलापथी विजय की अंतिम फिल्म जन नायकन के निर्देशक एच. विनोथ हैं, और संगीत अनिरुद्ध रविचंदर का है। इस फिल्म की पहली झलक रिलीज कर दी गयी है। 65 सेकंड की इस वीडियो ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है।

टीज़र की शुरुआत विजय की आवाज़ से होती है, तुम लोग मेरे दिल में जिंदा रहोगे, और फिर दिखता है एक दमदार सीन: पुलिस वर्दी में थलापति विजय, हाथ में लाठी, बम-धमाके और धूल से भरे मैदान में चलते हुए। यह दृश्य शक्ति, शांति और असर तीनों का मेल है।

इसके साथ जारी किया गया है एक नया जन्मदिन पोस्टर, जिसमें विजय चमड़े के तख़्त पर राजा की तरह बैठे हैं, हाथ में तलवार, पीछे धुआं और जंग का माहौल। निर्माणकर्ता वेंकट के.नारायण के तहत केवीएन निर्माण संस्था फिल्म जन नायकन को एक शानदार विदाई समारोह बना रही है ,उस सितारे के लिए, जिसने दशकों तक करोड़ों दिलों पर राज किया। फ़िल्म जन नायकन 09 जनवरी 2026 को पोंगल उत्सव के मौके पर दुनिया भर में बड़े पर्दे पर दस्तक देगी।

बैठक

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सोमवार को नई दिल्ली में मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज के छात्रों के साथ उनकी चिंताओं और सुझावों पर चर्चा करने के लिए एक बैठक के दौरान तस्वीर खिंचवाती हुई।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | मंगलवार | 24-06-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

योग हम भारत वासियों के लिए नया नहीं है यह अति प्राचीन है जब साधु संत ऋषि मुनि जंगलों में रहा करते थे तो वह योग और ध्यान के माध्यम से ही ईश्वर से जुड़ा करते थे उनके जीवन का एक ही लक्ष्य होता था कि योग के माध्यम से अपने शरीर को जीवन को स्वस्थ कैसे रखें ताकि साधना कर सके साधनों से तो जीवन जिया जाता है लेकिन साधना से उसे जीवन का परम तत्व प्राप्त किया जाता है जिस उद्देश्य से हमने इस धरती पर जन्म लिया है।

राजस्थली क्लब द्वारा योग और जुब्बा सेशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां राजस्थली क्लब चेन्नई द्वारा योग और जुम्बा सेशन का आयोजन किया गया। सभी सदस्यों का स्वागत क्लब के अध्यक्ष नरेंद्र बैद ने किया। मुख्य प्रशिक्षक के रूप में योगा ट्रेनर हरीश भंडारी ने एक घंटा चले योगा सेशन में शारीरिक मानसिक एवं सूर्य नमस्कार सहित अनेक योग क्रियाओं को संक्षिप्त रूप में समझाकर उनका अभ्यास करवाया। प्रशिक्षक हरीश भंडारी ने कहा की जो भी सदस्य पहली बार योग से जुड़ रहे हैं उनके लिए आज का दिन सिर्फ एक शुरुआत है, इस योग अभ्यास को निरंतर करते रहने से ही आपके शरीर में और मन में अपेक्षित बदलाव आएंगे।

जुम्बा सेशन की प्रशिक्षिक स्वीटी ने सेशन की शुरुआत वार्म-अप एक्सरसाइज से करवाई, बाद मे डांस और एक्सरसाइज करवाई। राजस्थली क्लब परिवार के लगभग 75 सदस्यों ने इन दोनों सेशन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। क्लब परिवार की तरफ से दोनों प्रशिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के संयोजक अनिल बोथरा एवं अरिहंत सेठिया थे।

योग दिवस — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में नेहरू विद्यालय में शनिवार को 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। सीडब्ल्यूए के अध्यक्ष महावीर बोथरा ने सभी का स्वागत किया। पतंजलि योग समिति के योग शिक्षकों द्वारा लगभग 60 मिनट तक सभी को योगा करवाया गया और उसके फायदे बताए गए। कार्यक्रम में स्कूल के उपाध्यक्ष कमलेश बाफना , स्कूल के सचिव गोपाल बुराडिया आदि उपस्थित थे।

योग — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के अन्नानगर स्थित जयगोपाल गारोदिया विवेकानंद विद्यालय के परिसर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर योगाभ्यास किया गया। योग प्राचीन भारतीय अभ्यास का सम्मान करने के लिए है जो समग्र कल्याण को बढ़ावा देता है। योग केवल शारीरिक तंदुरुस्ती के बारे में नहीं है, यह शरीर, मन और आत्मा का मिलन है। छठी से दसवीं कक्षा के छात्रों ने भाग लिया और विभिन्न आसन जैसे सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, वीरभद्रासन, उत्कटासन आदि का प्रदर्शन किया।

राजस्थानी ओलिम्पियाड 2025 का भव्य शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु (रजत) द्वारा आयोजित मारुति बिल्डर्स प्रस्तुत राजस्थानी ओलिम्पियाड 2025 का उद्घाटन समारोह 22 जून को चेन्नई के नेहरू स्टेडियम में अत्यंत उल्लास, गरिमा और राजस्थानी गौरव के साथ सम्पन्न हुआ। रजत प्रार्थना के पश्चात मुख्य अतिथि डॉ. अतुल्य मिश्रा, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव युवा कल्याण एवं खेल विकास विभाग, विशेष अतिथि मारूति बिल्डर्स के चेयरमैन प्यारेलाल पीतलिया तथा रजत पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर ओलिम्पियाड का विधिवत उद्घाटन हुआ।

रजत अध्यक्ष नरेंद्र श्रीश्रीमाल ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि यह ओलिम्पियाड केवल खेल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि प्रवासी राजस्थानी समाज की एकता, सांस्कृतिक मूल्यों और युवा ऊर्जा के उत्सव का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि यह मेगा स्पोर्ट्स फेस्टिवल आगामी ढाई महीनों तक चलेगा, जिसमें प्रवासी राजस्थानी खिलाड़ी 14 से अधिक खेलों में भाग लेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि ओलिम्पियाड की शुरुआत शतरंज, कैरम और टेबल टेनिस जैसे तीन खेलों से हुई, जिनमें लगभग 400 प्रतिभागियों ने जोश और उमंग के साथ भाग लिया।

ओलिम्पियाड चेयरमैन अशोक मुंदड़ा ने कहा हमारा उद्देश्य खेलों के माध्यम से समाज को जोड़ना है भाईचारे, मित्रता और छुपी प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने का यह सुनहरा अवसर है। कार्यक्रम का संचालन अजय नाहर ने किया। मीडिया प्रभारी ज्ञानचंद कोठारी ने बताया कि प्रायोजकों एवं प्रमुख सहयोगियों का सम्मान अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह द्वारा पूर्व अध्यक्षों ने किया। मंच सज्जा का कार्य सहसचिव दिलीप चंदन ने सुचारू रूप से संभाला। महासचिव दिनेश कोठारी ने आभार प्रकट किया।

सुपर क्वीन ने जीता राजस्थानी प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां राजस्थानी संघ द्वारा पहली बार महिला राजस्थानी प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गणपति ट्रेडर्स वूमेंस राजस्थानी प्रीमियर लीग का आयोजन आर, एस पुरम के नेहरू विद्यालय मैदान में आयोजन किया गया।

संघ के मीडिया समिति के चेयरमैन किशोर गोलेछा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 8 टीमें जिनके आठ स्पॉन्सर ने नीलामी लेकर महिला खिलाडियों को प्रोत्साहित किया।

राजस्थानी महिलाएं घुंघट से निकलकर अपनी अपनी टीम की जर्सी में दिखाई दीं। आठों टीमों में कड़ी प्रतिस्पर्धा रही। फाइनल में भावना मांडोत के नेतृत्व में सुपर क्वीन की टक्कर गीता बाफना की टीम सुपर चैलेंजर्स में कड़ा मुकाबला हुआ। सुपर क्वीन ने खिताब जीता। संघ के अध्यक्ष गौतमचन्द श्रीश्रीमाल ने सभी का स्वागत किया।

महाप्रज्ञ बन कर ही महाप्रज्ञ को जान सकते : साध्वी उदितयशा

आचार्य महाप्रज्ञ का 106वॉ जन्मोत्सव 'प्रज्ञा दिवस' के रूप में मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। युगप्रधान प्रेक्षा प्रणेता आचार्य महाप्रज्ञ का 106वाँ जन्म दिवस 'प्रज्ञा दिवस' साध्वी उदितयशा सान्निध्य में, नॉर्थ टाउन तेरापंथ परिवार के प्रायोजकत्व में, श्री सुमतिवल्लभ श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ भवन में सोमवार को मनाया गया। नमस्कार महामंत्र समुच्चारण के पश्चात साध्वी भव्ययशा, साध्वी शिक्षाप्रभा ने महाप्रज्ञ अष्टकम से मंगलाचरण किया।

धर्म परिषद को सम्बोधित करते हुए साध्वी उदितयशा ने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ की साधना द्वैत से अद्वैत की थी, भेद से अभेद की साधना थी। उनका चिंतन और अचिंतन की परिस्थिति में सन्तुलन था। महाप्रज्ञ को जानने, समझने के लिए स्वयं हमें महाप्रज्ञ बनना पड़ेगा। महाप्रज्ञ राग-द्वेष से ऊपर उठ वीतराग की साधना में प्रणत थे। वे बाहर रहते हुए भी भीतर की साधना में रत थे। अपने सूक्ष्म शरीर की आराधना से संघ में अनेकों नवीनतम आयाम स्थापित किए।

साध्वीश्री ने विशेष पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि हम शब्दों का कम प्रयोग कर सूक्ष्म शरीर, आत्मदर्शन के लिए ध्यान साधना में यात्रायीत बने। संचालन करते हुए साध्वी संगीतप्रभा ने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ विविध रूपों से परिपूर्ण थे। वे कुशल संघ संचालक, महान दार्शनिक, विशद् वैज्ञानिक थे। महाप्रज्ञ सफल मन के ज्ञाता थे, सामने वाले के मन को पढ़, वस्तुस्थिति को जानने वाले कुशल कारीगर थे।

अपने आराध्य की अभिनन्दना में तेरापंथ सभाध्यक्ष अशोक खतंग, महिला मंडल, चेन्नई अध्यक्ष लता पारख, तेरापंथ युवक परिषद निवर्तमान अध्यक्ष संदीप मुथा ने अपने विचार व्यक्त किए। महिला मंडल, चेन्नई ने सामुहिक गीतिका प्रस्तुत की। इस अवसर पर तेरापंथ सभा, चेन्नई के तत्वावधान में आगामी 29 जून को आयोजित होने वाले मेघा हेल्थ चेकअप कैम्प के बैनर का अनावरण किया गया।

सुभद्रा लुणावत बनी अणुव्रत समिति की अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अणुव्रत समिति चेन्नई का वार्षिक साधारण सभा रविवार को साहुकारपेट के तेरापंथ भवन में हुई। अणुव्रत गीत संगान से कार्यवाही प्रारंभ हुई। अध्यक्ष ललित आंचलिया ने सभी का स्वागत किया। अन्य विभागीय प्रतिवेदन प्रस्तुति और पारितीकरण के पश्चात मंच चुनाव अधिकारी शांतिचन्द भण्डारी, चन्द्रेश चिप्पड को सौपा गया। उन्होंने अभी तक अध्यक्ष पद के लिए कोई नाम नहीं आने पर सदन से नाम के लिए मांग की। सदन ने सर्वप्रथम गौतमचन्द सेठिया का नाम प्रस्तावित किया। उनके मना करने पर सुभद्रा लुणावत का नाम आया। एक मात्र नाम आने पर चुनाव अधिकारीगणों ने ससम्मान उन्हें अध्यक्ष पद पर मनोनयन घोषित किया।

इस अवसर पर तेरापंथ सभाध्यक्ष अशोक खतंग, साहूकारपेट ट्रस्ट बोर्ड प्रबंध न्यासी विमल चिप्पड, माधावरम स्कूल चेयरमैन तनसुखलाल नाहर, किलपॉक सभा उपाध्यक्ष धर्मीचन्द छल्लाणी, गौतमचन्द सेठिया, संपतराज चौरड़िया, स्वरूप चन्द दाँती, महिला मण्डल अध्यक्ष लता पारीख, शांति दुधोड़िया, मनोज गादिया, युवक परिषद निवर्तमान अध्यक्ष संदीप मुथा, कमलेश नाहर, माला कातरेला, गुणवंती खाटेड़, हरीश भण्डारी, विजयराज गेलड़ा आदि अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने ललित आंचलिया के चार वर्ष के दो कार्यकाल की शानदार सम्पन्नता और नवमनोनीत अध्यक्ष सुभद्रा लुणावत के आगामी दो वर्षीय कार्यकाल की शुभकामनाएँ संप्रेषित की।

नवमनोनीत अध्यक्ष लुणावत ने सदन द्वारा उन पर जताये विश्वास पर धन्यवाद देते दिया।

स्वागत — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में सोमवार को हवाई अड्डे पर केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल के आगमन पर गर्मजोशी से स्वागत करते हुए भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई। प्रवासियों और हिन्दी भाषी संगठन के सदस्यों ने अर्जुनराम मेघवाल का स्वागत किया।

अँकार की ध्वनि से गूंज उठा श्रीक्षेत्रअरिहंत गिरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर तमिलनाडु प्रांत में स्थित श्री क्षेत्र अरिहंत गिरी तिरुमलाई में भट्टारक चिंतामणि स्वस्ति श्री धवल कीर्ति महास्वामी जी के सानिध्य में एवं विचार पट्ट भट्टारक प्रमेय सागर स्वामी जी के निर्देशन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। यह पहला अवसर था जब किसी दिगंबर जैन मंदिर के प्रांगण में पूरे विश्व में मनाया जाने वाला योग दिवस का आयोजन भगवान श्री चंद्र प्रभु भगवान के सर्वार्थसिद्धि जिनमंदिरम् के परिसर पर आयोजित किया गया। क्षेत्र में चल रहे सरिता महेंद्र जैन के द्वारा संचालित स्कूल के बच्चों के द्वारा इस योग दिवस का आयोजन किया गया। स्वामी जी के द्वारा बच्चों को योग का उद्देश्य बताया।

पूज्य धवलकीर्ति स्वामी जी ने योग पर अपनी बात रखते हुए कहा की योग हम भारत वासियों के लिए नया नहीं है यह अति प्राचीन है जब साधु संत ऋषि मुनि जंगलों में रहा करते थे तो वह योग और ध्यान के माध्यम से ही ईश्वर से जुड़ा करते थे उनके जीवन का एक ही लक्ष्य होता था कि योग के माध्यम से अपने शरीर को जीवन को स्वस्थ कैसे रखें ताकि साधना कर सके साधनों से तो जीवन जिया जाता है लेकिन साधना से उसे जीवन का परम तत्व प्राप्त किया जाता है जिस उद्देश्य से हमने इस धरती पर जन्म लिया है।

स्कूल के सीईओ बसंत शास्त्री के द्वारा बताया गया कि प्रतिवर्ष हम इस जैन मंदिर में इस जैन मठ में योग दिवस का आयोजन करते हैं और स्कूल के सभी शिक्षकों के द्वारा इस योग दिवस को मनाया जाता है।

अदाणी समूह ने चालू किया

भारत का पहला 'ऑफ-ग्रिड ग्रीन हाइड्रोजन' प्रायोगिक स्तर संयंत्र अदाणी हरित हाइड्रोजन

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह ने गुजरात के कच्छ में भारत का पहला 'ऑफ-ग्रिड' हरित हाइड्रोजन संयंत्र प्रायोगिक स्तर पर चालू किया है। समूह ने सोमवार को बयान में यह जानकारी दी।

'ऑफ-ग्रिड ग्रीन हाइड्रोजन' संयंत्र एक ऐसी सुविधा है जो नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर या हवा द्वारा संचालित 'इलेक्ट्रोलिसिस' का उपयोग करके हाइड्रोजन का उत्पादन करती है। यह मुख्य विद्युत ग्रिड से जुड़ा नहीं है। इसका मतलब है कि संयंत्र की हाइड्रोजन उत्पादन प्रक्रिया पूरी तरह से अपनी अक्षय ऊर्जा उत्पादन पर निर्भर करती है।

यह पांच मेगावाट का संयंत्र अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल) द्वारा तैयार किया गया है। एएनआईएल, अदाणी समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की स्वच्छ ऊर्जा इकाई है।

भारत के राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को सक्षम करने की दिशा में इसे एक बड़ी उपलब्धि करार देते हुए समूह ने कहा कि सफल शुरुआत तकनीकी व्यवहार्यता को दर्शाती है। उत्सर्जन-गहन क्षेत्रों में हरित हाइड्रोजन का 'ऑफ-ग्रिड', नवीकरणीय-संचालित औद्योगिक अनुप्रयोगों तथा इसके डेरिवेटिव के लिए एक मिसाल कायम करता है।

बयान में कहा गया, '' अत्याधुनिक संयंत्र सौर ऊर्जा पूरी तरह से हरित तरीके से संचालित है और एक बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) के साथ जुड़ी है। इससे यह पूरी तरह से 'ऑफ-ग्रिड' संचालित करने में सक्षम है। यह विकेंद्रीकृत, नवीकरणीय-संचालित हाइड्रोजन उत्पादन में एक नए प्रतिमान को दर्शाता है।''

अनियंत्रित महत्वाकांक्षा के कारण वैश्विक स्तर पर संघर्ष पैदा हुआ : गडकरी

पुणे/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को यह कहा कि अनियंत्रित अति महत्वाकांक्षा ने वैश्विक स्तर पर संघर्ष पैदा कर दिया है। यहां एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि भारत को विश्व शांति और मानवता का संदेश देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमारी विरासत, परम्परा और इतिहास इतना समृद्ध है कि हमारा देश कभी भी अधिनायकवादी और विस्तारवादी नहीं रहा। हालांकि, आज एक प्रकार की अनियंत्रित अति महत्वाकांक्षा है जो विश्व में संघर्ष का कारण बन रही है और दुनिया में विश्व शांति और मानवतावाद का संदेश देने की आवश्यकता उत्पन्न हुई है। केंद्रीय मंत्री 'एमआईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस' द्वारा निर्मित श्री सरस्वती कराड अस्पताल के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.